रांची, बुधवार
11.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 98, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

असम के आदिवासियों को अधिकारों के लिए लड़ना होगा कानूनी लडाई : हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मंगलवार को आदिवासी स्टूडेंट यूनियन ऑफ असम, जारी शक्ति और आदिवासी काउंसिल ऑफ असम की ओर से बिस्वनाथ चारियाली स्थित मेजिकाजन चाय बागान में आयोजित एक जनसभा में मंगलवार को शामिल हुए।

मौके पर मुख्यमंत्री कहा कि असम में निवास करने वाले गरीब-गुरबा, किसान, आदिवासी वर्ग के लोगों पर लम्बे समय से अत्याचार और शोषण की बातें लगातार मैंने सुनी है। उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों ने यहां पर कई राजनीतिक और सामाजिक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हजारों वर्षों से आप सिर्फ असम नहीं बल्कि इस देश के चाय व्यापार जगत का अभिन्न अंग है।

आपके बूते ही चाय उद्योग चल रहा है। असम के आदिवासी समुदाय के वैसे लोग जो चाय उद्योग में कार्य करते हैं उन्हें काम के बदले मेहनताना के रूप में क्या मिलता है यह किसी से छिपा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि आप लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ते-लड़ते क्रांतिकारी नेता प्रदीप नाग ने अपने प्राण की आहुति दी। उन्होंने कहा कि असम के आदिवासी समुदाय को उनका अधिकार मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य झारखंड में भी जल, जंगल, जमीन का संरक्षण और आदिवासी समुदाय की पहचान एवं उनके अधिकार के लिए लम्बा संघर्ष हुआ। लगभग 50 वर्ष के संघर्ष के बावजूद जब परिणाम सकारात्मक नहीं रहा तब हमारे नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन सहित कई नेताओं ने अलग राज्य लेने का निर्णय किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग झारखंड राज्य बनने के बाद यह दुर्भाग्य रहा कि हमारे आदिवासी समुदाय के लोग आर्थिक, बौद्धिक और सामाजिक रूप से मजबूत नहीं बन सके। हमारी सरकार अब झारखंड के आदिवासी समुदाय के लोगों को उनका हक-अधिकार देने का कार्य निरंतर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में रहने वाले आदिवासी भाई-बहनों को यहां एक बड़े परिवर्तन की रास्ते पर चलने की जरूरत है। इस परिवर्तन के लिए यह जरूरी है कि हम सभी लोगों को एक छत और एक छांव पर आना होगा। अब यहां के आदिवासी समुदाय को बौद्धिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग उस समुदाय के लोग हैं जो संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटते हैं। आदिवासी समुदाय कभी भी किसी का बुरा नहीं चाहता है। किसी का शोषण या किसी के सम्मान को ठेस पहुंचाना हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं रहा है। अब हम अपना हक-अधिकार कैसे लेंगे यह हम सभी को पता है। उन्होंने कहा कि आप सभी को संविधान से मिले अधिकारों के लिए कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि यह विडंबना है कि हजारों वर्षों से असम में निवास करने वाले आदिवासी समाज के साथ आखिर भेदभाव क्यों किया जा रहा है, उन्हें आदिवासी का दर्जा भी नहीं मिल रहा है। असम का एक बहुत बड़ा धड़ा कई यातनाओं से गुजर रहा है, इतना बड़ा समूह वर्तमान समय में अपने अधिकार और सम्मान की लड़ाई लड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्थिति को बदलने के लिए हम सभी को चट्टान की तरह एकजुट रहना पड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के तीन विश्वविद्यालयों में नये कुलपति नियुक्त

रांची। झारखंड के तीन विश्वविद्यालयों में नये कुलपतियों की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में मंगलवार को राजभवन की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई। जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रोफेसर राजीव मनोहर को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। इसी तरह डॉ.एला कुमार को जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया है। वह फिलहाल इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वीमेन (आईजीडीटीयूडब्ल्यू), दिल्ली में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वहीं अभय कुमार सिंह को झारखंड राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (जेएसओयू), रांची का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर (बिहार) में प्रोफेसर एवं डीन के पद पर कार्यरत हैं। अधिसूचना के अनुसार, तीनों कुलपति पदभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम तीन वर्ष की अवधि तक या कुलाधिपति की इच्छा के अनुसार अपने पद पर कार्य करेंगे। साथ ही इन नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों के मूल संस्थानों से सतर्कता (विजिलेंस) क्लीयरेंस प्राप्त होना अनिवार्य होगा।

एयर इंडिया ने टिकट पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण विमान ईंधन एटीएफ की कीमतों में तेजी आने पर एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 12 मार्च से प्रत्येक घरेलू उड़ान के टिकट पर 399 रुपये का ईंधन अधिभार लागू करेंगी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी ईंधन अधिभार बढ़ाया जाएगा। मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि नई अधिभार प्रणाली चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। पहले चरण में, 12 मार्च से घरेलू और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) के लिए उड़ानों पर 399 रुपये प्रति टिकट का ईंधन अधिभार लागू होगा। बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया की उड़ानों के लिए अधिभार 10 डॉलर, अफ्रीका के लिए 90 डॉलर और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए 60 अमेरिकी डॉलर होगा। यह सभी बदलाव 12 मार्च से प्रभावी होंगे, जिसमें सिंगापुर की उड़ानें भी शामिल हैं। वर्तमान में सिंगापुर सेवाओं पर कोई ईंधन अधिभार नहीं है। बयान में कहा गया, एयर इंडिया समूह ने आज अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर ईंधन अधिभार को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने की घोषणा की, जो खाड़ी क्षेत्र में भू-राजनीतिक स्थिति के कारण जेट ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण आवश्यक हो गया है।

रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी, पश्चिम बंगाल व झारखंड में 192 किमी नेटवर्क का होगा विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने मंगलवार को रेल मंत्रालय की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनकी कुल अनुमानित लागत 4,474 करोड़ रुपये है और इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

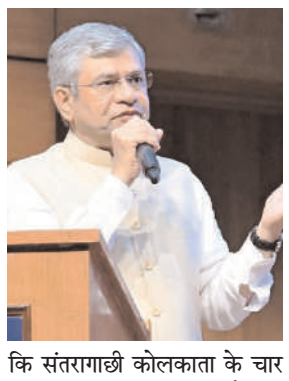

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में संवाददाता सम्मेलन में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्वीकृत परियोजनाओं में सैंथियाझपाकुड़ चौथी लाइन (81 किमी) तथा संतरागाछीझखड़गपुर चौथी लाइन (111 किमी) शामिल हैं। इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे की मौजूदा नेटवर्क क्षमता में लगभग 192 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

उन्होंने संतरागाछी-खड़गपुर चौथी लाइन परियोजना को लेकर कहा कि संतरागाछी कोलकाता के चार बड़े रेलवे स्टेशनों में से एक है। इस स्टेशन पर बहुत सारा विकास कार्य चल रहा है। यह छह मंज़िला स्टेशन बनकर तैयार हो रहा है।

सरकार के अनुसार इन परियोजनाओं से रेलवे की लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिससे परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम होगी और रेलवे मार्गों पर भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गई हैं, जिनका उद्देश्य मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना है। इसके माध्यम से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही अधिक सुगम होगी।

दोनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और झारखंड के कुल पांच जिलों को कवर करेंगी। इससे लगभग 5,652 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जहां करीब 1.47 करोड़ की आबादी निवास करती है। इन परियोजनाओं से बोलपुर-शांतिनिकेतन, नंदिकेश्वरी मंदिर (शक्तिपीठ), तारापीठ (शक्तिपीठ), पटचित्र ग्राम, धादिका वन, भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य और रामेश्वर कुंड जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की रेल कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

सरकार के अनुसार यह मार्ग कोयला, पत्थर, डोलोमाइट, सीमेंट, स्लैग, जिप्सम, लोहा-इस्पात, खाद्यान्न, पेट्रोलियम उत्पाद और कंटेनर जैसे सामानों के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण हैं। क्षमता विस्तार के बाद करीब 31 मिलियन टन प्रति वर्ष अतिरिक्त माल परिवहन संभव होगा। परियोजनाओं के पूरा होने से लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी, तेल आयात में लगभग 6 करोड़ लीटर की कमी आएगी तथा करीब 28 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी होगी, जो लगभग एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

कैबिनेट : जल जीवन मिशन को मिला विस्तार, सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिलेगा नल कनेक्शन

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) की अवधि को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। जेजेएम 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अतिरिक्त आवंटन और पुनर्गठित कार्यान्वयन शामिल है। जल जीवन मिशन 2.0 के तहत दिसंबर 2028 तक देशभर के सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। जेजेएम का पुनर्गठन और पुनर्रचना बुनियादी ढांचे के निर्माण से हटकर सेवा वितरण पर केंद्रित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्रिमंडल ने योजना खर्च को बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है। केंद्रीय सहायता 3.59 लाख करोड़ रहेगी। यह 2019-20 में स्वीकृत 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मंत्री के अनुसार योजना का क्रियान्वयन ऐसे होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप के माध्यम से पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा एक समान राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा सुजलम भारत बनाया गया है। यह स्रोत से नल तक संपूर्ण पेयजल आपूर्ति प्रणाली का डिजिटल मानचित्रण करेगा।

बंगाल में जमीनी स्तर पर कानून-व्यवस्था की तैयारी के आधार पर तय होंगे चुनाव के चरण: मुख्य चुनाव आयुक्त

एजेंसी

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कितने चरणों में कराए जाएंगे, इसका अंतिम निर्णय राज्य में जमीनी स्तर पर कानून-व्यवस्था की स्थिति और प्रशासनिक तैयारियों को ध्यान में रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आयोग की पूर्ण पीठ ने पिछले दो दिनों के दौरान राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस और अन्य संबंधित पक्षों के साथ बैठकें कर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया गया। सभी पक्षों ने आयोग को आश्वासन दिया है कि मतदान शांतिपूर्ण, निर्भीक और हिंसामुक्त वातावरण में कराया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव कितने चरणों में होंगे, यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की स्थिति कैसी है और मतदान को सुरक्षित तरीके से कराने के लिए क्या व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

उन्होंने यह भी बताया कि समीक्षा यात्रा के दौरान आयोग की पूर्ण पीठ ने राज्य प्रशासन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे कानून के शासन को सख्ती से लागू करें और किसी भी प्रकार के दबाव, भय या पक्षपात से मुक्त होकर काम करें। अधिकारियों का निष्पक्ष और पारदर्शी आचरण चुनाव की विश्वसनीयता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समावेशी विकास की मजबूत नींव: राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रत्यक्ष कर देश के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक स्थिर राजस्व स्रोत के रूप में यह सरकारों को अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समानता को बढ़ावा देती है और समावेशी तथा सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करती है।

राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को भारतीय राजस्व सेवा (आईटी) के 79वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा का दायित्व केवल कर संग्रह तक सीमित नहीं है। जटिल वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण करने, सीमाओं के पार अवैध वित्तीय प्रवाह का पता लगाने और जटिल कॉरपोरेट संरचनाओं को समझने की क्षमता आईआरएस अधिकारियों को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में राष्ट्र का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाती है।

उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे अपने आचरण और निर्णयों में विवेक बरतें। एक विवेकपूर्ण अधिकारी प्रवर्तन और सुविधा, अधिकार और विनम्रता तथा तकनीकी क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करता है। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपने अधिकार का प्रयोग विनम्रता, संयम और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ करें।

भारतीय राजस्व सेवा (आईटी) के अधिकारी प्रशिक्षु वर्तमान में राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर में प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस बैच में भूटान की रॉयल भूटान सेवा के दो अधिकारी प्रशिक्षु भी शामिल हैं।

राज्यसभा में एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। इस दौरान विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

राज्यसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही आवश्यक दस्तावेज और रिपोर्ट को सदन के पटल रखा गया। शून्यकाल में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कई राज्यों में चल रहे एसआईआर को लेकर सवाल उठाए। खरगे ने इस प्रक्रिया को ह्लफ्रॉडह्व बताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और कई वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण देने और चर्चा कराने की मांग की। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनावी सुधारों पर पिछले सत्र में पहले ही विस्तृत चर्चा हो चुकी है। उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे मुद्दों को बार-बार उठाना उचित नहीं है। विपक्ष सदन के अंदर वास्तविक बहस नहीं चाहता और बार-बार हंगामा कर कार्यवाही बाधित करता है। नड्डा ने विपक्ष के बहिर्गमन की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष ने एक बार फिर सदन से बाहर जाकर यह दिखाया है कि वह सार्थक चर्चा नहीं चाहता। विपक्ष का रवैया गैरजिम्मेदाराना है। वो अराजकता में विश्वास रखते है। संसद में मुद्दों पर बहस के लिए पूरा अवसर दिया जाता है, लेकिन विपक्ष चर्चा करने के बजाय विरोध और बहिर्गमन का रास्ता चुन रहा है।

सरकार ने प्राकृतिक गैस पर लगाया एस्मा, उद्योगों को आपूर्ति में होगी कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली : सरकार ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आयी बाधाओं को देखते हुए देश में रसोई गैस (एलपीजी) का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) लगा दिया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 के अनुसार, घरेलू पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की आपूर्ति, परिवहन के लिए सीएनजी की आपूर्ति, एलपीजी उत्पादन, और पाइपलाइन कॉम्प्रेशर फ्यूल तथा अन्य अनिवार्य पाइपलाइन परिचालन जरूरतों को प्राथमिकता सेक्टर-1 में रखा गया है। इन उपभोक्ताओं को पिछले छह महीने की औसत के बराबर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। वहीं अन्य क्षेत्रों के लिए आपूर्ति में कटौती की जायेगी।

इस संबंध में जारी गजट अधिसूचना में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर वितरण में समानता और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है।

उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता सेक्टर-2 में रखा गया है। उन्हें पिछले छह महीने की औसत के 70 प्रतिशत तक आपूर्ति की जायेगी। साथ ही यह पाबंदी होगी कि वे इसका इस्तेमाल किसी और उद्देश्य के लिए नहीं कर सकेंगे।

प्राथमिकता सेक्टर-3 में चाय उद्योग, विनिर्माण संयंत्रों तथा अन्य औद्योगिक उपभोक्ताओं को रखा गया है। वे पिछले छह महीने की औसत के 80 प्रतिशत तक इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सिटी गैस वितरकों को दी गयी है।

पेट्रो रसायन संयंत्रों और विद्युत संयंत्रों को भी गैस की आपूर्ति में पूरी तरह या आंशिक तौर पर कटौती की जायेगी। सरकार ने सभी तेल शोधन कंपनियों को एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा है ताकि आम लोगों के लिए इसकी कमी न हो। अन्य उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में कटौती करते इसे एलपीजी उत्पादन में इस्तेमाल किया जायेगा। तेल शोधन कंपनियों से पिछले छह महीने के उपभोग के 65 प्रतिशत तक ही गैस का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है।

आदेश में कहा गया है कि भारतीय गैस प्राधिकरण (गेल) और पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के समन्वय में दिये गये निर्देशों के अनुरूप प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का प्रबंध करेगी। पीपीएसी गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए स्थानांतरित गैस के लिए संयुक्त मूल्य अधिसूचित करेगा जिस मूल्य पर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आपूर्ति की जायेगी। भले ही किसी कंपनी ने पहले से किसी भी मूल्य पर खरीद का समझौता कर रखा हो, यह आदेश उस समझौते के प्रावधानों को निष्प्रभावी कर देगा। इससे प्राकृतिक गैस का उत्पादन करने वाली कंपनियां तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ऑयल इंडिया, वेदांता आदि प्रभावित होंगी। गेल और अन्य गैस विपणन कंपनियों, तरल प्राकृतिक गैस टर्मिनलों के प्रचालक, प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के प्रचालक और शहरी गैस वितरण से संबंधित अवसंरचानों पर भी आदेश का प्रभाव पड़ेगा।

ईरान के मिसाइल उत्पादन ढांचे को करेंगे तबाह : अमेरिका

एजेंसी

वॉशिंगटन/तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ईरान के मिसाइल उत्पादन से जुड़े बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए अभियान चला रही है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि पिछले 10 दिनों में चलाया गया अमेरिकी सैन्य अभियान काफी सफल रहा है और सैनिक उम्मीद से भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना ने अब तक ईरान की नौसेना के 50 से अधिक जहाजों को नष्ट कर दिया है, जिनमें एक बड़ा ड्रोन कैरियर जहाज भी शामिल है। लेविट ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी सैन्य अभियान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत की जा रही है और इसका उद्देश्य ईरान की मिसाइल तथा सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को विश्वास है कि अभियान के लक्ष्य जल्द ही हासिल कर लिए जाएंगे।

दूसरी ओर, ईरान ने दावा किया है कि उसने इजराइल के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। ईरान के खातम अल-अंबिया सशस्त्र बल मुख्यालय के प्रवक्ता के अनुसार ड्रोन हमलों के जरिए हाइफामें स्थित तेल रिफाइनरी और ईंधन भंडारण टैंकों को निशाना बनाया गया।

टेम्पु पलटने पांच लोग घायल, दो माह का बच्चा व मां गम्भीर

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के रनिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को टेम्पु पलटने से पांच लोग घायल हो गये। जिसमें माँ बच्चे को गम्भीर चोटें आयी है। सभी घायलों को रेफरल अस्पताल लाया गया । जिसमें माँ व उसके दो माह के बच्चे को गम्भीर चोटें आयी। बच्चे का पैर टूट गया और मां को आंतरिक चोटें आई हैं। जिन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया । घटना रनिया थाना क्षेत्र के कुलडा गाँव के पास घटी। जहाँ तुरीगड़ा से आठ लोगों को बैठाकर टेम्पु तोरपा आ रहा था। इसी क्रम में कुलडा के पास सामने सड़क पर खेल रहे बच्चों को बचाने के लिए तेज गति टेम्पो अचानक हेंडल मोड़ा तो टेम्पु पलट गया। इससे एक डेढ़ माह का बच्चा और उसकी मां को गम्भीर चोटें लगी है। वहीं बच्चे का पैर टूट गया। और हड्डी पूरी तरह अलग हो गया । वहीं माँ के सिर व शरीर पर आंतरिक चोटें लगी है। इसके अलावे आटो चालक ओमोन तोपनो , ओनिला तोपनो, कुन्ती साय मुर्गा, असियन साय मुर्गा, सोमारी साय मुर्गा को चोटें लगी है।

आमने-सामने बाईक टक्कर से चार लोग गंभीर रूप से घायल

तोरपा । खूँटी कोलेबिरा राजकीय राजमार्ग-3 पर तोरपा थाना क्षेत्र के डोडमा गाँव के निकट काका ढाबा के पास दो बाइक के बीच आमने-सामने टक्कर होने से दोनों बाइक में सवार कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर तोरपा थाना पुलिस घटनास्थल पहुँचकर सभी चारों घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस से सदर अस्पताल खूँटी भिजवाया। जानकारी के अनुसार , स्प्लेंडर मोटरसाइकिल में सवार होकर डोड़मा निवासी सुरेश भेंगरा डोड़मा से खूँटी जा रहा था। वहीं दूसरे बाइक में सवार तपकरा निवासी गोंडरा निरुण तोपनो, टुनगाँव बरटोली के रेबका गुड़िया और खेमोर गुड़िया खूँटी से तपकरा लौट रहे थे। इसी दौरान तेजगति बाईक आपस में सीधे टकरा गयी। जिस टक्कर की घटना में चारों घायलों को पैर पर गंभीर चोट लगा है. घटना के बाद पुलिस दुर्घटनाग्रस्त दोनों मोटरसाइकिल को जप्त कर मामले की जांच में जुट गई है।

छाता गांव की महिलाओं ने उठाई सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की मांग

बिभा संवाददाता

खूँटी । छाता गाँव में बाल कल्याण के लिए कार्य करनेवाले बाल कल्याण संघ ने मंगलवार को महिलाओं के साथ विशेष बैठक किया। इस दौरान गाँव की समस्याओं और आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन के माध्यम से किया गया। बैठक में महिलाओं ने बताया कि गांव की कई गलियों में स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण शाम के बाद अंधेरा छा जाता है, जिससे महिलाओं और किशोरियों को आने-जाने में असुरक्षा महसूस होती है। इसके साथ ही गाँव में पर्याप्त शौचालय की व्यवस्था नहीं होने से महिलाओं को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं ने इन समस्याओं को गांव की प्राथमिक आवश्यकता बतलाते हुए संबंधित विभागों से जल्द समाधान की मांग की। महिलाओं ने कहा कि स्ट्रीट लाइट और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

इस अवसर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए गांव के महिला समूह का पुनर्गठन भी किया गया। महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे समूह के माध्यम से बचत, आजीविका और सामाजिक मुद्दों पर एकजुट होकर काम करेंगी तथा गांव के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगी। बाल कल्याण संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि बैठक में उठाए गए मुद्दों को संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा, ताकि गांव की महिलाओं की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा सके।

कृषि मंत्री से मिले संजीव सरदार, पोटका की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधायक संजीव सरदार ने मंगलवार को विधानसभा अंतर्गत कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से शिष्टाचार मुलाकात कर पोटका विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास और किसानों की सुविधा से जुड़े मुद्दों को लेकर एक मांग पत्र भी मंत्री को सौंपा। संजीव सरदार ने मांग पत्र के माध्यम से क्षेत्र में चेक डैम निर्माण, हाट-बाजारों के सुदृढ़ीकरण, सिंचाई व्यवस्था के विस्तारीकरण तथा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के लागू होने से क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारियों को काफी लाभ मिलेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विधायक की ओर से उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि जनहित से जुड़े इन प्रस्तावों पर सकारात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पोटका क्षेत्र के विकास और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विभाग आवश्यक कदम उठाएगा।

सविता महतो ने सदन के शून्य काल में उठाया टीकर में नए पुल निर्माण की मांग

बिभा संवाददाता

चांडिल : ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक सविता महतो ने विधानसभा सदन के शून्य काल में रंगामाटी से सिल्ली जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित टीकर पुल की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि टीकर पंचायत के पास स्थित यह पुल लगभग 30 वर्ष पूर्व बना था और वर्तमान में इसकी स्थिति काफी खराब हो चुकी है।विधायक ने सदन को अवगत कराया कि इस पुल से प्रतिदिन सैकड़ों भारी वाहनों का आवागमन होता है, जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द टीकर में नए पुल के निर्माण की मांग की, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। विधायक सविता महतो ने कहा कि पुल की जर्जर हालत के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए जनहित को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में त्वरित कार्रवाई आवश्यक है। मालूम हो कि टीकर पुल काफी दिनों से जर्जर हो गया था जो चलने लायक नहीं था। विधायक के प्रयास से जर्जर सड़क का मरम्मत कराया था उन्होंने पुनः टीकर पुल की जर्जर स्थिति का मुद्दा सदन में उठाया और नया पुल निर्माण का मांग किया।

संक्षिप्त

इनर व्हील क्लब के पदाधिकारियों ने प्रीति सिन्हा को किया सम्मानित

जमशेदपुर(बिभा): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट ने गुलमोहर हाई स्कूल की प्रिंसिपल प्रीति सिन्हा को शिक्षा और नेतृत्व के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। सुश्री सिन्हा, जिन्हें डेरोज़ियो अवार्ड (2025), श्रीनेशनल अवार्ड फॉर बेस्ट टीचर -ईस्ट जोन (2025) और इकोनॉमिक टाइम्स टेकएडु अवार्ड (2025) जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, ने क्लब की सदस्यों के साथ संवाद किया और आज के समय में महिलाओं द्वारा झेले जाने वाले तनाव और चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भावनात्मक संतुलन, धैर्य, सकारात्मक सोच ओर स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उनके प्रेरणादायक विचारों ने सदस्यों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और समाज के लिए सकारात्मक योगदान जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

नानक साईं भक्त फाउंडेशन के केंद्रीय उपाध्यक्ष बने प्रीतम भाटिया

जमशेदपुर(बिभा) । साईं मानव सेवा ट्रस्ट के संरक्षक और अध्यक्ष युवा पत्रकार प्रीतम सिंह भाटिया को नानक साईं फाउंडेशन का केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है. इस बात की जानकारी फाउंडेशन के अध्यक्ष पंढरीनाथ बोकारे ने एक पत्र जारी कर दी है. श्री बोकारे ने प्रीतम भाटिया के सामाजिक और धार्मिक कार्यों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी है.श्री भाटिया को उपाध्यक्ष बनाए जाने पर साईं मानव सेवा ट्रस्ट,ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन,रंगरेटा महासभा, साईं धाम ट्रस्ट,साईं सेवा ट्रस्ट और विभिन्न संस्थाओं से बधाई व शुभकामनाएं दी जा रही हैं. श्री भाटिया ने कहा कि नानक साईं फाउंडेशन द्वारा जो जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे.उन्होने बताया कि शिरडी में एक भक्त सम्मेलन का आयोजन 25 मार्च 2026 को रामनवमी के अवसर पर किया जा रहा है जिसमें दिल्ली,महाराष्ट्र और झारखंड से कुछ साईं भक्त जुटने वाले हैं.उन्होने बताया कि शिरडी में साईं भक्त सम्मेलन की सफलता और प्रचार प्रसार के लिए नानक साईं फाउंडेशन, साईं मानव सेवा ट्रस्ट, साईं सेवा ट्रस्ट और साईं धाम ट्रस्ट जैसी संस्थाओं द्वारा प्रयास किया जा रहा है. फाउंडेशन के अध्यक्ष पंढरीनाथ बोकारे ने कहा कि हमारी संस्था का मुख्यालय व प्रमुख कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र में गुरू गोविंद सिंह की तपोभूमि हुजूर साहिब नांदेड़ है. इसके अलावा संस्था का कार्यक्षेत्र पंजाब और नयी दिल्ली के बाद अब बिहार व झारखंड भी होने वाला है.

26वां युवा राष्ट्रीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता में खूँटी जिला के तीन खिलाड़ियों का हुआ चयन

खूँटी (बिभा)। उड़िसा में आयोजित होनेवाले 26वाँ युवा राष्ट्रीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला है। जिसमें खूँटी जिले के तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। ये तीनों खिलाड़ी अनिमा भुइंया, गौतम राम और एक खिलाड़ी आगामी 15 मार्च से भुवनेश्वर के किट विश्वविद्यालय में अपना खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे । ये बॉलीबॉल प्रतियोगिता 20 मार्च तक चलेगा। 26वाँ युवा राष्ट्रीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए खूँटी के तीन खिलाड़ियों का चयन होने पर खूँटी जिला बॉलीबॉल संघ के लोग व बॉलीबॉल के चहेतों ने हर्ष व्यक्त किया है। ये जानकारी खूंटी जिला बॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने दी।

आवास कर्मियों ने समाहरणालय के समक्ष किया धरना प्रदर्शन

खूँटी (बिभा)। समाहरणालय के समीप मंगलवार को सरकारी आवास योजनाओं के कर्मियों ने एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया। जिसमें जिले भर के सभी इच्छा प्रखंडों के प्रखंड कार्यालय में संविदा पर नियुक्त कर्मियों ने मानदेय वृद्धि और और ग्रेड पे लागू करने की मांग कर रहे हैं। खूंटी समाहरणालय द्वार के सामने राज्य आवास कर्मी संघ के बैनर तले धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि अपनी मांगों को लेकर कई प्रकार के कदम उठा चुके हैं। वही उपायुक्त व सचिवालय में भी ज्ञापन दे चुके हैं। लेकिन अबतक मांग नहीं मानी गयी। इसके पश्चात विरोध स्वरूप सबसे पहले 16 फरवरी से 18 फरवरी तक काला बिल्ला लगाकर कार्य किये। इसके पश्चात 23 फरवरी से 25 फरवरी तक कलमबंद हड़ताल किया। वहीं मंगलवार को जिला मुख्यालय और राज्य मुख्यालय में धरना प्रदर्शन प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने बताया कि अगर मांगों को स्वीकृति नहीं दी जाती है तो आगामी 17 मार्च से 20 मार्च तक हड़ताल पर चले जाएंगे।

एक्सएलआरआई को बम से उड़ाने की धमकी, कैंपस को खाली कराया गया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। शहर के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान एक्सएलआरआई को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार संस्थान के निदेशक को सोमवार देर रात एक अज्ञात ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्पष्ट रूप से कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। प्रारंभिक जांच में ईमेल का स्रोत पाकिस्तान से ट्रेस होने की बात सामने आई है, जिससे आतंकी साजिश की आशंका जताई जा रही है। निदेशक ने बिना देरी किए ईमेल को तत्काल जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को भेज दिया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आ गया। एसएसपी के निर्देश पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे एक्सएलआरआई कैंपस को खाली करा लिया गया। सैकड़ों छात्र, फैकल्टी सदस्य और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। इसके बाद डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक दस्ता (BDDS) को कैंपस में तैनात कर व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सुरक्षा एजेंसियां लाइब्रेरी, लेक्चर हॉल, हॉस्टल और प्रशासनिक भवन समेत हर हिस्से की बारीकी से जांच कर रही हैं। इस घटना के बाद जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त और एसएसपी ने संयुक्त बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं और हर संभावित खतरे को गंभीरता से लेने को कहा गया है फिलहाल संस्थान परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है और कैंपस के चारों ओर पुलिस की कड़ी बैरिकेडिंग कर दी गई है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की गहन जांच की जा रही है, जबकि आसपास के क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। राज्य पुलिस के साइबर सेल को ईमेल के आईपी एड्रेस की ट्रैकिंग का जिम्मा सौंपा गया है, ताकि धमकी देने वाले की पहचान जल्द से जल्द की जा सके। धमकी की खबर फैलते ही छात्रों और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रबंधन ने एहतियातन कक्षाएं और परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं तथा अभिभावकों को स्थिति की जानकारी दे दी हैं।

खाली जमीन पर होल्डिंग टैक्स वसूली का विरोध, नगर विकास विभाग से हस्तक्षेप की मांग

बुण्डू (बिभा)। नगर पंचायत क्षेत्र में खाली जमीन पर होल्डिंग टैक्स वसूली को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता रमेश कुमार मुंडा ने नगर विकास विभाग के सचिव को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। पत्र में कहा गया है कि क्षेत्र की जनता से उनकी खाली जमीन पर होल्डिंग टैक्स (गृह कर) वसूला जा रहा है, जबकि उस जमीन का सरकारी लगान पहले से लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खाली जमीन पर नगर पंचायत द्वारा किसी प्रकार की सुविधा भी उपलब्ध नहीं करायी जाती है, इसके बावजूद अतिरिक्त टैक्स वसूला जाना उचित नहीं है। इससे आम और गरीब जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। रमेश कुमार मुंडा ने नगर विकास विभाग से मांग की है कि जनता को राहत देते हुए खाली जमीन पर होल्डिंग टैक्स की वसूली पर रोक लगायी जाए।

टाटा स्टील ट्यूब डिवीजन गेट पर मजदूरों का धरना, पुराने कर्मचारियों को हटाने का आरोप

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: मंगलवार को शहर के टाटा स्टील ट्यूब डिवीजन के गेट के बाहर सैकड़ों मजदूर धरने पर बैठ गए। मजदूरों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन द्वारा लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों को हटाकर नए मजदूरों को काम पर रखा जा रहा है।गेट पास जमा करने को कहा गया मुखी समाज के मीडिया प्रभारी अरविंद मुखी ने बताया कि सुबह काम पर पहुंचे हाउसकीपिंग मजदूरों को कंपनी के एचआर विभाग द्वारा गेट पास जमा करने को कहा गया और बाहर जाकर काम खोजने की बात कही गई

मजदूरों ने कंपनी के वरीय अधिकारियों से बात करने की इच्छा जताई, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। इसके बाद मजदूरों का आक्रोश बढ़ गया और वे गेट के बाहर धरने पर बैठ गए। मजदूरों का कहना है कि करीब 35 से 40 कर्मचारी पिछले 22 से 25 वर्षों से कंपनी में काम कर रहे हैं। आरोप है कि करीब 5ञ्च6 दिन पहले बिना किसी कारण के उन्हें काम से बैठा दिया गया और उनकी जगह नए कर्मचारियों को रखा जा रहा है।

मजदूरों ने कहा कि मंगलवार को नए कर्मचारियों को गेट से अंदर भेजा जा रहा था, जबकि पुराने कर्मचारियों को गेट पास जमा करने को कहा गया। मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो वे अनिश्चितकालीन धरना जारी रखेंगे। फिलहाल कंपनी की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बुंडू में माकपा का जन आक्रोश सभा में 24 मार्च को दिल्ली रैली का आव्हान

देश के किसान,मजदूरों के हितों को बेच डाला मोदी सरकार : वृन्दा कारात

बिभा संवाददाता

बुंडू : मोदी सरकार के किसान - मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ माकपा का छोटानागपुर स्तरीय 7 मार्च से 10 मार्च तक चली जन आक्रोश जत्था का समापन शहीद लक्ष्मी कान्त स्वासी प्रतिमा पर पूर्व माकपा पोलिट ब्यूरो सदस्य सह पूर्व सांसद बृंदा कारात द्वारा माल्यार्पण के पश्चात विशाल रैली टांगरटोली से प्रारंभ होकर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुंडू नगर होते हुए धुर्वा मोड़ स्थित शहीद बिरसा मुंडा प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात जन आक्रोश सभा सुरेश मुंडा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए माकपा के पूर्व पोलिट ब्यूरो सदस्य सह पूर्व सांसद बृंदा कारात ने कहा मोदी सरकार ने देश के किसान - मजदूरों के हितों को बेच डाला,भारत - अमेरिका समझौता कर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, अमेरिकी उत्पादों के लिए 0 प्रतिशत आयात शुल्क पर मुक्त भारतीय बाजार एवं भारतीय उत्पादों के लिए 18 प्रतिशत टेरिफ भारतीय संप्रभुता एवं भारतीय किसानों के लिए मौत की घंटी है, किसान - मजदूर विरोधी 4 लेबर कोड,बिज और बिजली विधेयक , भारत - अमेरिका व्यापार समझौता तथा मनरेगा का खात्मा तथा जनविरोधी नीतियों के खिलाफ माकपा का दिल्ली रेली ऐतिहासिक होगी, इरान पर अमेरिका - इजराइल द्वारा हमला का मोदी सरकार द्वारा समर्थन भारत के गुट निरपेक्षता नीति को कमजोर करता है, इरान में 185 छात्राओं का इजराइल - अमेरिका द्वारा हमला से मौत के खिलाफ विश्व व्यापी विरोध जारी है।युद्ध के काले बादल के खिलाफ भारत वासियों की आवाज उठाओ, युद्ध बन्द करो, स्वतंत्रत विदेश नीति के सवाल पर दिल्ली रैली यादगार होगा। मोदी सरकार द्वारा कारपोरेट घरानों को करोड़ों रुपए की छूट,जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा की लूट का छूट देने पर आमादा है, घरेलू गैस 7 प्रतिशत टेक्स बढ़ा दिया है एवं अमेरिका को टेक्स फ्री किया है। पेशा नियमावली के तहत बिना ग्राम सभा के ही जबरन जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। माकपा राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने संबोधित करते हुए कहा जन आक्रोश जत्था 7 से 10 मार्च तक छोटानागपुर एवं संथाल परगना स्तरीय जत्था का झारखंड के किसान - मजदूरो द्वारा जोरदार स्वागत किया गया,24 मार्च दिल्ली रैली को सफल बनाने का आव्हान किया। माकपा झारखंड राज्य सचिव मंडल सदस्य सह झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो , राज्य सचिव मंडल सदस्य सुरेश मुंडा ने संबोधित करते हुए 24 मार्च की दिल्ली रैली में किसान - मजदूरों, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों की व्यापक भागीदारी का आव्हान किया गया। जन आक्रोश सभा का धन्यवाद ज्ञापन जिला कमिटी सदस्य रंजीत मोदक ने किया। इस अवसर मुख्य रूप से माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य समीर दास, प्रफुल्ल लिंडा,माकपा राज्य कमिटी सदस्य रंगोवती, दिवाकर मुंडा,मदुवा कच्छप, अमल आजाद,जिला कमिटी सदस्य मंगल मुंडा, लोधरो मुंडा,जेहरू लाल मुंडा, रीता स्वासी, लक्ष्मी देवी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सीआईएसएफ डकरा ने मनाया 57वां स्थापना दिवस

बिभा संवाददाता

खलारी: केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की डकरा इकाई ने मंगलवार को बल का 57वां स्थापना दिवस पूरे गरिमा, अनुशासन और उत्साह के साथ मनाया।सीसीएल के एनके और पिपरवार क्षेत्र की सुरक्षा में तैनात इस इकाई द्वारा डकरा स्थित सीआईएसएफ कैंप में भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीएल एनके एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता थे। समारोह की शुरूआत इकाई के कमांडेंट कमलेश चौधरी द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करने के साथ हुई। इसके बाद जवानों ने शानदार और अनुशासित परेड प्रस्तुत कर समारोह की गरिमा बढ़ा दी।इंस्पेक्टर आर.के. गौतम के नेतृत्व में परेड कमांडर तथा एसआई दीपक यादव के सहायक कमांडर के रूप में चार टुकड़ियों ने मुख्य अतिथि को आकर्षक गार्ड ऑफ ऑनर दिया। परेड में जवानों का अनुशासन, समर्पण और तालमेल देखते ही बन रहा था।मुख्य अतिथि दिनेश कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कोल सेक्टर जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों में सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जवानों की सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा के कारण ही कोलफील्ड्स में संस्थानों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पाती है।

इस अवसर पर कमांडेंट कमलेश चौधरी ने बल के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को मात्र 3,129 कर्मियों के साथ हुई थी। आज यह बल देश के 25 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी सेवाएं दे रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीआईएसएफ देश के प्रमुख हवाई अड्डों, मेट्रो रेल, परमाणु एवं अंतरिक्ष संस्थानों के साथ-साथ संसद भवन की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहा है।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि गृह मंत्रालय की स्वीकृति के बाद अब कोल सेक्टर में भी सीआईएसएफ को आरपीएफ की तर्ज पर अतिरिक्त कानूनी अधिकार प्राप्त हुए हैं, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।समारोह में उप कमांडेंट दिनेश कुमार, सहायक कमांडेंट अमनदीप, सहायक कमांडेंट/जेओ शघन दास सहित इंस्पेक्टर राजेश कुमार सरोज, तपन सिंघा, रवि रंजन, अजीत सोरेन, रंजीत कुमार समेत कई अधिकारी और जवान मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी ने बल के आदर्श वाक्य ह्रनिष्ठा, अनुशासन एवं समर्पणह्व को और अधिक दृढ़ता से निभाने का संकल्प लिया। पूरे समारोह के दौरान देशभक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

12 करोड़ की स्वास्थ्य परियोजना पर सवाल, विधायक सुरेश बैठा ने जांच की मांग की

बिभा संवाददाता

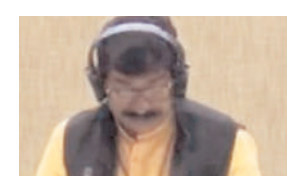

खलारी। कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश बैठा ने मंगलवार को झारखण्ड विधानसभा के शून्यकाल में खलारी में निमार्णाधीन स्वास्थ्य केंद्र के कार्य में कथित लापरवाही और अनियमितता का मामला उठाया। उन्होंने सरकार से इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सख्त निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की।विधायक ने सदन में कहा कि खलारी में करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन संवेदक की उदासीनता और कार्य की धीमी गति के कारण परियोजना प्रभावित हो रही है। इससे निर्माण की गुणवत्ता और निर्धारित समयसीमा दोनों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र खलारी और आसपास के ग्रामीण इलाकों की बड़ी आबादी लंबे समय से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद लगाए बैठी है। ऐसे में निर्माण कार्य में हो रही देरी और कथित अनियमितता से स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।सुरेश बैठा ने सरकार से आग्रह किया कि जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परियोजना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराई जाए और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही निर्माण कार्य को तय मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरा कराने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र के समय पर निर्माण से खलारी तथा आसपास के हजारों ग्रामीणों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

विदेश में मजदूर की मौत होने पर प्लेन से शव लाएगी सरकार : मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। विदेश में किसी प्रवासी मजदूर की मौत होने पर उसके शव को भारत लाने के लिए रेल या हवाई यात्रा का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। यह बातें मंत्री संजय प्रसाद यादव ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान श्रम, नियोजन, कौशल विकास एवं उद्योग विभाग की कटौती प्रस्ताव के बाद मांगों पर चर्चा के दौरान मंगलवार को सदन में जवाब देते हुए कही।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रवासी श्रमिकों के हितों की रक्षा और उनके परिवारों को सहायता देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में मौत के शिकार हुए 273 प्रवासी श्रमिकों के परिजनों को अबतक 02 करोड़ 85 लाख रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। वहीं 219 प्रवासी मजदूरों के शव को उनके पैतृक निवास तक लाने के लिए एक करोड़ छह लाख 55 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है।

मंत्री ने बताया कि विदेशों में काम कर रहे छह मजदूरों की मौत होने पर उनके परिवारों को 30 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। इसके अलावा झारखंड राज्य प्रवासी सुलभ योजना के तहत राज्य मुख्यालय में प्रवासी नियंत्रण कक्ष बनाए जाएंगे। साथ ही पांच अन्य राज्यों में भी ऐसे नियंत्रण कक्ष खोले जाने की योजना है, ताकि प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

मंत्री ने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश के प्रस्ताव आए हैं, इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि विश्व आर्थिक मंच के माध्यम से झारखंड को एक लाख 24 हजार 230 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इस निवेश से राज्य में 45 हजार से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के कारण करीब 20 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की भी संभावना बनी है। इससे लगभग 19 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य में 15 नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिनके माध्यम से करीब 29 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। मंत्री ने श्रमिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में अभियान चलाकर 80 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया है। इनमें से 22 बच्चों का स्कूलों में नामांकन करा दिया गया है, जबकि अन्य बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही स्पीकर डॉ रबीन्द्र नाथ महतो ने सदन में विपक्ष के लाए गए कटौती प्रस्ताव को अस्वीकृत करते हुए सदन की कार्यवाही 11 मार्च को दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

बीएयू में तीन दिवसीय एग्रोटेक किसान मेला 14 से, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अपने कांके प्रांगण में 14 से 16 मार्च, 2026 तक आयोजित किये जानेवाले राज्यस्तरीय एग्रोटेक किसान मेला का उद्घाटन 14 मार्च को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे क राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार 16 मार्च को समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे कमेला का केन्द्रीय विषय वस्तु टिकाऊ कृषि हेतु जलवायु अनुकूल तकनीकी नवाचार है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीख तथा विधायक राजेश कच्छप, अमित कुमार एवं सुरेश कुमार बैठा की उपस्थिति रहेगीक मेला के दूसरे दिन पशु-पक्षी प्रदर्शनी का उदघाटन विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो करेंगे जबकि राज्यसभा सदस्य डॉ महुआ माजी महिला कृषक गोष्ठी का उद्घाटन करेंगी क राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा महिला गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि रहेंगी।

बीएयू के कुलपति डॉ सुनील चन्द्र दुबे ने बताया कि मेला में लगभग 135 स्टाल लगाये जा रहे हैं जहाँ बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, संकायों, महाविद्यालयों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के अलावा झारखण्ड में कार्यरत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शोध संस्थान, कृषि से संबंधित विभाग, बीज, कृषि यंत्र एवं उर्वरकों के निमार्ता एवं बिक्रेता, बैंक एवं वित्तीय संस्थान तथा स्वयंसेवी संगठन अपनी तकनीक, सेवाएँ एवं उत्पाद प्रदर्शित करेंगे। बिक्री हेतु विसिध कृषि इनपुट भी उपलब्ध रहेंगे ।इस अवसर पर आनेवाले किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा खेती-बारी सम्बन्धी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक तकनीकी परामर्श भी प्रदान किया जायेगा।

निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ रेखा सिन्हा के निर्देशन में विभिन्न समितियां युद्ध स्तर पर मेला की तैयारी में लगी है। स्टाल बुकिंग के लिए बीएयू के प्रसार शिक्षा निदेशालय में संदीप शेखर (7004434601) से संपर्क किया जा सकता है। मेला का उद्देश्य किसानों, कृषक महिलाओं एवं युवा उद्यमियों को उन्नत कृषि, पशुपालन, वानिकी, डेयरी, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि यंत्रीकरण, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्द्धन तथा घरेलू एवं अन्य कुटीर उद्योगों से संबंधित आधुनिक तकनीकों की जानकारी देना है। इस अवसर पर फल, फूल, सब्जी, मसालों, सजावटी, औषधीय एवं सगंधीय पौधों से संबंधित उद्यान प्रदर्शनी, पशु-पक्षी प्रदर्शनी, कृषि यंत्र प्रदर्शनी, किसान गोष्ठी, प्रायोगिक प्रक्षेत्रों का परिभ्रमण, महिला कृषक संगोष्ठी का भी आयोजन किया जा रहा है कस राज्यस्तरीय आयोजन में प्रान्त के विभिन्न जिलों के किसान बड़ी संख्या में भाग लेंगे ।

संक्षिप्त खबरें

सीएमपीडीआई ने सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए बिल ट्रैकिंग सिस्टम शुरू किया

रांची(बिभा)। सीएमपीडीआई ने सेवानिवृत्त कर्मियों के बिलों की प्रोसेसिंग में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मंगलवार को रांची स्थित अपने मुख्यालय में कार्यपालकों के लिए अंशदायी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना और गैर-कार्यपालकों के लिए अंशदायी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना के लिए बिल ट्रैकिंग सिस्टम शुरू किया। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह, राजीव कुमार सिन्हा, नृपेन्द्र नाथ, सीएमपीडीआई एवं सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार तथा अन्य वरीय अधिकारियों की उपस्थिति में इस सिस्टम का उद्घाटन किया। इस सिस्टम के माध्यम से, सेवानिवृत्त कर्मी कहीं से भी अपने बिलों की प्रगति पर हर चरण में नजर रख सकते हैं। यह सिस्टम पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर स्वचालित एसएमएस अलर्ट भी भेजता है, जिससे बिल प्रोसेसिंग के बारे में स्पष्ट और समय पर अद्यतन जानकारी मिलती है। प्रबंधन की यह पहल सीएमपीडीआई की परिचालन दक्षता और सेवानिवृत्ति के बाद भी अपने कर्मियों को सहयोग देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर अखाड़ा में झंडा स्थापित किया गया

रांची(बिभा) : श्री रामनवमी मोहत्सव 2026 के प्रथम मंगलवारी के उपलक्ष्य में श्री महावीर मंडल बड़ा तालाब राँची के प्रांगण में महाबली हनुमान जी एवं पताका का विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर अखाड़ा में झंडा स्थापित किया गया । पूजा अर्चना की शुरूआत श्री महावीर मण्डल बड़ा तालाब राँची के संग्रक्षक श्री राजीव रंजन मिश्रा , श्री चैती दुगार्पूजा समिति के अध्यक्ष श्री शंकर दुबे एवं महामंत्री श्री गोपाल पारीक , श्री महावीर मंडल राँची के पूर्व अध्यक्ष श्री रवि कुमार पिंकू , अशोक पुरोहित , पूर्व मंत्री श्री कैलाश केसरी , उपाध्यक्ष श्री राहुल सिन्हा चंकी , सह मंत्री प्रकाश चंद्र सिन्हा एवं श्री राम बानर सेना के अध्यक्ष श्री लकेश सिंह , संजय सहाय के द्वारा की गई । पूजा अर्चना के पश्चात सभी राम भक्तो के बीच प्रसाद वितरण किया गया एवं अखाड़ा में झंडा स्थापित कर अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन किया गया । कार्यक्रम में इंदर सिंह , गोपाल चांगल , मनोज शर्मा , संतोष वर्मा , कैलाश पारीक , शशांक पाठक , प्रकाश पाल सहित दर्जनों पदाधिकारी शामिल थे ।

एसएसओ ने 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया

रांची(बिभा): सेल सुरक्षा संगठन (एसएसओ) द्वारा 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को सुरक्षा बैज प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएसओ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. रामाकृष्णा द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराने के साथ हुआ। इस अवसर पर आरडीसीआईएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस. के. कर, एसडीटीडी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक जैन, कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईटी) एस. पी. दास और सेल की रांची इकाईयों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। 150 से अधिक कर्मचारियों ने सुरक्षा की शपथ ली, जिसे एसएसओ के महाप्रबंधक (सुरक्षा) सुरेश कुमार ने हिंदी में और सीईटी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस. पी. दास ने अंग्रेजी में दिलाई। कार्यक्रम का संचालन एसएसओ के वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा) मुकेश कुमार ने किया, जिन्होंने सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

के राजू आज पहुंचेंगे रांची, कई सांगठनिक कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रांची(बिभा)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के राजू 11 से 13 मार्च तक झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचेंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश इकाई के मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी उनके साथ विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार के राजू के नई दिल्ली से रांची पहुंचने के बाद वे खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड जाएंगे, जहां नगर भवन में आयोजित ब्लॉक संवाद कार्यक्रम में कांग्रेस के पदाधिकारियों, कार्यकर्ता और स्थानीय नेताओं के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में मार्गदर्शन देंगे।

झारखंड विधानसभा में कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर हंगामा, विपक्ष का प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दसवें दिन मंगलवार को सदन में उस समय तीखा हंगामा देखने को मिला जब विपक्ष ने राज्य की कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेर लिया।

सत्र की कार्यवाही शुरू होते ही भारतीय जनता पार्टी के विधायक पोस्टर लेकर वेल में पहुंच गए और राज्य में बढ़ते भ्रष्टाचार तथा बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चर्चा की मांग करने लगे। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के कारण कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही बाधित हो गई।

हंगामे के दौरान निर्मल महतो को सदन की कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप में विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शल आउट कराने का निर्देश दिया। हालांकि बाद में सदन में बनी सहमति के बाद उन्हें वापस बुला लिया गया।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है और बिना पैसे के कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने दुमका में मजदूर यूनियन नेताओं पर गोलीबारी, रजरप्पा मंदिर में श्रद्धालु के साथ पुलिसकर्मियों की कथित मारपीट और गिरिडीह में महिला दिवस कार्यक्रम के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह अबुआ सरकार नहीं बल्कि बबुआ सरकार बन गई है, जहां अपराधी बेखौफ हैं और अधिकारी बेलगाम। उन्होंने इन मुद्दों पर सदन के अन्य कार्य रोककर विस्तृत चर्चा कराने की मांग की। सरकार की ओर से जवाब देते हुए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने विपक्ष से कहा कि यदि उनके पास कोई ठोस मामला है तो उसे सदन के पटल पर रखें, सरकार कार्रवाई करेगी।

झारखंड विधानसभा में मैक्लुस्कीगंज मुद्दे पर सत्ता पक्ष-विपक्ष में बहस

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दसवें दिन मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हल्की बहस देखने को मिली। मामला मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और क्षेत्र में ईंट-भट्ठों तथा क्रेशरों से हो रहे प्रदूषण से जुड़ा था। सदन में यह मुद्दा विधायक प्रकाश राम ने उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में चल रहे ईंट-भट्ठों और क्रेशर से फैल रहे प्रदूषण पर भी चिंता जताई। इस पर खान विभाग के मंत्री योगेंद्र महतो ने जवाब देते हुए कहा कि मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विषय उनके विभाग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मामला अन्य विभागों से जुड़ा हुआ है, जबकि खान विभाग केवल क्रेशर और ईंट-भट्ठों से संबंधित मामलों पर ही जवाब दे सकता है। मंत्री के जवाब पर विधायक प्रदीप यादव ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सदस्यों के सवाल जिस विभाग से संबंधित हों, उन्हें सही विभाग तक पहुंचाने की जिम्मेदारी विधानसभा सचिवालय की होनी चाहिए, ताकि सदन में स्पष्ट और सटीक जवाब मिल सके। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्रियों को सदन में आने से पहले पूछे गए सवालों को लेकर पूरा होमवर्क करके आना चाहिए। इससे सदस्यों को स्पष्ट जानकारी मिलती है और सदन की कार्यवाही भी सुचारु रूप से चलती है।

सेपक टकरा : आठ प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय रेफरी के रूप में किया गया

बिभा संवाददाता

रांची : मंगलवार को बिरसा मुंडा स्टेडियम परिसर में प्रथम झारखंड राज्य सेपक टकरा रेफरी कोर्स सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस कोर्स में सेपक टकरा के सीनियर खिलाड़ियों ने भाग लिया।

कोर्स के दौरान प्रतिभागियों के प्रदर्शन तथा सेपक टकरा खेल के प्रति उनके तकनीकी ज्ञान के आधार पर 8 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय रेफरी के रूप में किया गया। इस सेमिनार में अंतरराष्ट्रीय रेफरी अमरेंद्र दत्त द्विवेदी प्रशिक्षक सह परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे और प्रतिभागियों को खेल के नियमों, तकनीकी पहलुओं तथा रेफरिंग की बारीकियों की जानकारी दी। कोर्स के उपरांत जिन प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय रेफरी के रूप में चयनित किया गया, वे इस प्रकार हैं राजकुमार महतो, भोला कुमार, साकेत सौरव, अनिरुद्ध दत्त द्विवेदी, शिवा हेम्ब्रम, त्रिलोक महतो, जेठू कुमार गंझु, विक्रम कुमार गंझु।

इस अवसर पर उपस्थित एसोसिएशन के चेयरमैन श्री सुनील सूर्यांत और प्रेसिडेंट उदय साहू ने उम्मीद जताई कि इन नए रेफरियों के जुड़ने से राज्य में सेपक टकरा प्रतियोगिताओं के संचालन को और मजबूती मिलेगी तथा खेल के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष बने कुणाल अजमानी एवं मुनचुन राय महामंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। श्री महावीर मंडल रांची महानगर द्वारा आयोजित की जाने वाली रामनवमी की भव्य शोभायात्रा झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपनी विशेष पहचान रखती है। हर वर्ष इस शोभायात्रा का लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है और देश के विभिन्न हिस्सों से कलाकार इसमें भाग लेने रांची पहुंचते हैं। वर्ष 2026-27 में श्री महावीर मंडल रांची महानगर अपना 21वां वर्ष मनाने जा रहा है। इस अवसर पर रामनवमी महोत्सव को और अधिक भव्य एवं विशाल रूप में आयोजित किया जाएगा तथा अष्टमी की रात्रि में विभिन्न अखाड़ों एवं कलाकारों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

इसी को ध्यान में रखते हुए श्री महावीर मंडल रांची महानगर की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए बैठक का आयोजन चर्च रोड स्थित केंद्रीय कार्यालय में किया गया। यह बैठक संगठन महामंत्री रविंद्र कुमार वर्मा की देखरेख में संपन्न हुई। बैठक की शुरूआत में पिछले वर्ष के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

इसके बाद सर्वसम्मति से कुणाल अजमानी को अध्यक्ष तथा मुनचुन राय को महामंत्री चुना गया। साथ ही नई कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई।

मुख्य संरक्षक: भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, रांची के विधायक सी.पी. सिंह, विष्णु अग्रवाल, रंजन सिंह, अजीत सहाय। यह जानकारी श्री महावीर मंडल रांची महानगर के प्रवक्ता बादल सिंह एवं रोहित शारदा ने दी।

श्री रामनवमी श्रृंगार समिति के अध्यक्ष बने बबलू यादव व अजय वर्मा को मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में आगामी रामनवमी पर्व की तैयारियों को लेकर श्री रामनवमी श्रृंगार समिति रांची की एक महत्वपूर्ण चुनावी बैठक आयोजित की गई। यह बैठक महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष श्री सागर वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से समिति के नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से बबलू यादव को समिति का अध्यक्ष, मयंक गिरी को कार्यकारी अध्यक्ष तथा अजय वर्मा को मंत्री चुना गया। चुनाव के बाद उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं और आगामी रामनवमी पर्व को भव्य एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रांची में रामनवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा, अखाड़ा प्रदर्शन और श्रृंगार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए शहर के विभिन्न मोहल्लों और अखाड़ों के साथ समन्वय बनाकर तैयारी शुरू कर दी गई है, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

इस बैठक में मुख्य रूप से शंकर साहू, विष्णु देव प्रसाद, नीलेश यादव, मुन्ना शर्मा, शंकर सिन्हा, राकेश वर्मा, सुभाष चंद्र झा, उदय रविदास, श्याम यादव, धीरज वर्मा, धीरज यादव, गोपाल प्रसाद, विनोद गुप्ता, अमित यादव सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और रामनवमी के आयोजन को सफल बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

जनता दरबार में कई फरियादियों की समस्याओं का हुआ ऑन-द-स्पॉट निष्पादन

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार रांची जिला के सभी अंचल में हर मंगलवार जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। आज भी विभिन्न अंचलों में संबंधित अंचल अधिकारी जनता की समस्याओं से अवगत हुए।

अंचल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में अंचल अधिकारियों द्वारा लोगों की समस्याएं सुनी गयी। जनता दरबार में भूमि बंटवारा, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, भूमि निबंधन, जमीन मापी, आवास योजना, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, नल-जल योजना, आंगनबाड़ी सहित लोगों की अन्य समस्याएं सामने आयी। उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार सभी सीओ ने जनता की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन भी किया गया एवं शेष मामलों को शीघ्र कारवाई हेतु अग्रसारित किया गया। उपायुक्त ने निर्देश पर आज आयोजित जनता दरबार में अंचल निरीक्षक और राजस्व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। उपायुक्त द्वारा राजस्व से संबंधित शिकायतों की अद्यतन जानकारी और त्वरित निष्पादन के लिए सीआई एवं कर्मचारी को जनता दरबार में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया था।

उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा आम जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए सभी को निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है। आम लोगों को अनावश्यक कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े इसे सुनिश्चित करने का निर्देश उपायुक्त द्वारा दिया गया है। प्रत्येक मंगलवार के अतिरिक्त सभी अंचलों में अंचल अधिकारी से जनता की मुलाकात के लिए दोपहर 01:00-02:00 बजे का समय भी निर्धारित है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. : टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-26, दिनांक 09.03.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस तथा वित्तीय रूप से कार्य सम्पन्न करने की क्षमता रखने वाले प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा केस सं.:** टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-26, **कार्य का नाम:** एसटीएन-जेएजे अनुभाग के तहत लूप लाइनों की लंबाई का विस्तार। **निविदा मूल्य:** रु. 1,46,86,483.98; **बयाना राशि:** रु. 2,23,400; **खुलने की तारीख एवं समय:** 07.04.2026 को 15.00 बजे। **कार्य समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 9 महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तारीख से 45 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-384/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पीडीजे-डीसी-एसपी ने व्यवहार न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) अनिल कुमार मिश्रा, उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा तथा पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने संयुक्त रूप से व्यवहार न्यायालय बोकारो की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान न्यायालय परिसर में विधि-व्यवस्था बनाएं रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के क्रम में न्यायालय मुख्य प्रवेश द्वार तथा आसपास के मुख्य मार्गों पर तत्काल सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापन करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि व्यवहार न्यायालय परिसर तथा मुख्य सड़क की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। सभी कैमरों की फीड जिला समेकित नियंत्रण कक्ष (सीसीआर) में उपलब्ध रहेगी, जहां से पूरी व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी द्वारा समेकित नियंत्रण कक्ष से सीसीटीवी कैमरों की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी।

अधिकारियों ने न्यायालय परिसर में तैनात पुलिस जवानों को आवश्यक निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सतर्क एवं व्यवस्थित बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि न्यायालय परिसर में आने वाले अधिवक्ताओं, वादियों एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सीआरपीएफ की 26वीं बटालियन ने मनाया 87वां स्थापना दिवस, स्वास्थ्य-रक्तदान शिविर में भारी उत्साह

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो) : भारत सरकार के निदेर्शानुसार 26 बटालियन, सीआरपीएफ, आईटीआई मोड़, चास बोकारो ने 87वें केंद्रीय रिजर्व पुलिस स्थापना दिवस पर विशाल स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया।एशियन जालान अस्पताल, धनबाद (झारखंड) के चिकित्सकों ने बल के सदस्यों व उनके परिवारजनों को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान की तथा उनका हेल्थ चेकअप किया। बटालियन मुख्यालय के यूनिट अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में अधिकारियों-जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह रक्त थैलेसीमिया जैसे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों व जरूरतमंदों के लिए उपयोगी होगा।वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सीआरपीएफ न केवल आंतरिक सुरक्षा में प्रतिबद्ध है, बल्कि सामाजिक-मानवीय सेवाओं में अग्रणी भी। यह रक्तदान शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है तथा स्वस्थ जीवन ही सशक्त राष्ट्र का आधार।कार्यक्रम में कमांडेंट श्री राजीव रंजन, उप कमांडेंट श्रीमती प्रतिभा यादव, सहायक कमांडेंट श्री अरविंद कुमार के अलावा डॉ. नौशाद आलम, डॉ. श्याम किशोर, डॉ. विद्या सहित बटालियन के सभी अधिकारी, जवान व परिवारजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सीआईएसएफ ने मनाया 57वां स्थापना दिवस, शहीदों को श्रद्धांजलि

बोकारो(बिभा) : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस पर बीएसएल बोकारो की केऔसुब इकाई में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। उप महानिरीक्षक राजीव मिश्रा के नेतृत्व में शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।बल सदस्यों ने भव्य परेड का आयोजन किया, जिसकी कमान उप कमांडेंट राजेश कुमार ने संभाली। परेड कमांडर ने मुख्य अतिथि प्रियरंजन, डीआईसी बीएसएल को जनरल सलामी दी। मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण भी किया।संबोधन में डीआईसी ने बताया कि सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को हुई थी। शुरूआत में 3,000 जवानों वाली यह ताकत आज 2 लाख से अधिक हो चुकी है। वर्तमान में यह औद्योगिक प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, मेट्रो और संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा कर रही है। बोकारो स्टील प्लांट में सीआईएसएफ की तैनाती 2 नवंबर 1969 से है, जबकि फायर विंग फरवरी 2022 से सक्रिय है। उन्होंने बीएसएल में तैनात जवानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने का आश्वासन दिया।

दरभंगा में संगीत समारोह में बोकारो के विभु शंकर मिश्र ने शास्त्रीय गायन से बांधा समां

बोकारो(बिभा) : कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक दरबार हॉल में रविवार को पंडित विदुर मल्लिक ध्रुपद संगीत गुरुकुल द्वारा छठे पंडित विदुर मल्लिक एवं पद्मश्री पंडित राम कुमार मल्लिक स्मृति संगीत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस संगीत समारोह में बोकारो के संगीतज्ञ विभु शंकर मिश्र ने ख्याल (शास्त्रीय) गायन प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इन्होंने राग यमन बड़ा ख्याल तथा छोटा ख्याल अब कौन रिझावन जाएगी... मध्यलय की बंदिश सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बोकारो के डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 4 में वरीय संगीत शिक्षक के रूप में कार्यरत विभु शंकर मिश्र शास्त्रीय व उप शास्त्रीय गायन में अच्छी पकड़ रखते हैं। श्री मिश्र दरभंगा घराने से ताल्लुक रखते हैं और उनकी परंपरा को अपने संगीत से आगे बढ़ा रहे हैं। दरभंगा घराने में चारों पटकी गायकी होती है-ध्रुपद धमार, ख्याल, टप्पा, ठुमरी जिसमें श्री मिश्र ने ख्याल गायन की प्रस्तुति दी। इस संगीत समारोह में देश के कई जगहों से आए अनेक प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पांडेय व विशिष्ट अतिथि डॉ हेमपति झा ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन समिति के सदस्य सुमित मल्लिक एवं संगीत मल्लिक ने अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

स्कूल में शौचालय की कमी, छात्रों को हो रही भारी परेशानी

बोकारो (बिभा)। तुपकाडीह श्रमिक हाई स्कूल में शौचालय न होने से दर्जनों छात्रों को शौच के लिए स्कूल की बाउंड्री के बाहर जाना पड़ रहा है। वर्ग नौवीं से 12वीं तक के छात्रों को यह समस्या सबसे ज्यादा सता रही है।हेडमास्टर सृष्टिधर महतो ने बताया, ₹कुछ दिनों तक शौचालय ठीक काम कर रहा था, लेकिन स्थानीय नशेड़ी शाम के समय स्कूल परिसर में घुसने लगे। इससे दरवाजे और अन्य हिस्से पूरी तरह नष्ट हो गए। छात्राओं के लिए अलग व्यवस्था है, लेकिन लड़कों को बाहर जाना पड़ता है।₹उन्होंने कहा कि नया शौचालय बनाने के लिए विभाग को मौखिक और लिखित दोनों तरह से अनुरोध किया गया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्कूल प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान हो।

सावित्रीबाई फुले के 129वें महापरिनिर्वाण दिवस पर सुकन्या सामाजिक संस्था ने दिया श्रद्धांजलि

चास(बोकारो) (बिभा)। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्यरत सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमिटी के प्रधान कार्यालय, कुंवर सिंह कॉलोनी में मंगलवार को भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता माता सावित्रीबाई फुले के 129वें महापरिनिर्वाण दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।संस्था के संस्थापक सह सचिव अमल दास और उनके सहयोगियों ने माता सावित्रीबाई के छाया चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। अमल दास ने बताया कि सावित्रीबाई ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ 1848 में पुणे के भिडेवाड़ा में बालिकाओं के लिए पहला स्कूल खोला था। उन्होंने आजीवन महिलाओं की शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह और छुआछूत उन्मूलन के लिए संघर्ष किया। उनका पूरा जीवन नारी सशक्तिकरण और मानवता के प्रति समर्पित रहा। उन्हें भारतीय नारीवाद की जननी के रूप में याद किया जाता है।मौके पर सबिता महतो, भारती देवी, निशांत कुमार, सोनू कुमार, गीतिका किरण आदि उपस्थित रहे।

डीपीएस बोकारो में सोल्लास मना 'ग्रैंड पैरेंट्स डे', अनुभवों की छांव में बचपन ने बिखेरी मुस्कान

संस्कारों के संवाहक हैं दादा-दादी, नाना-नानी : प्राचार्य डॉ. गंगवार

बिभा संवाददाता

बोकारो। शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक लाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना है और इसके लिए अच्छे संस्कार हमें अपने बुजुर्गों के सानिध्य में ही मिलते हैं। दादा-दादी एवं नाना-नानी से हमें माता-पिता, शिक्षकों और मित्रों, सभी का सम्मिलित स्नेह मिलता है। वे संस्कारों और ज्ञान के सौम्य मशाल-वाहक हैं। वे घर धन्य हैं, जहां बुजुर्गों का साया है। यह कहना है दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार का। विद्यार्थियों में घर के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और नैतिकता का भाव प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंगलवार को आयोजित ग्रैंड पैरेंट्स डे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में बच्चों को अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ समय बिताना चाहिए और उनके अनुभवों से सीखना चाहिए। बुजुर्ग हमारे परिवार के आधारस्तंभ हैं। उनका बीता हुआ कल और उनके अनुभव हमारे वर्तमान और भविष्य की प्रेरणा हैं। डीपीएस बोकारो का लक्ष्य केवल बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देना ही नहीं, बल्कि उनमें पारिवारिक, सामाजिक और नैतिक मूल्यों का बीजारोपण करना भी है।

पोते-पोतियों के संग रैंप पर उतरे दादा-दादी, हुए कई रंगारंग कार्यक्रम

विद्यालय की प्राइमरी इकाई में आयोजित इस भव्य और भावपूर्ण कार्यक्रम में नन्हे-मुन्नों ने अपने दादा-दादी और नाना-नानी के सम्मान में न केवल रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, बल्कि उनके प्रति अपनी अगाध श्रद्धा और प्रेम भी व्यक्त किया। नन्हे विद्यार्थियों ने स्वागत गान दादा-दादी का स्वागत करें हम... की सुमधुर प्रस्तुति की तथा लव यू ज़िंदगी... जैसे गीतों पर मनमोहक नृत्य पेश कर पूरे वातावरण को आनंदमय कर दिया। विशेष रूप से भगवान कृष्ण को समर्पित नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। इस दौरान दादा-दादी, नाना-नानी के लिए भी कई रोचक खेल आयोजित किए गए, जिनमें गाने पहचानो, रैंप वॉक, सॉटिंग द बॉल्स और पजल सॉल्विंग शामिल थे। इन खेलों में बुजुर्गों ने बच्चों जैसे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। इसी क्रम में कक्षा 4 की छात्रा शैलजा शान्वी के ग्रैंड पैरेंट्स के प्रति कृतज्ञतायुक्त भाषण ने सबकी आंखें नम कर दीं।

तिलक व बैज से स्वागत, पत्तियों पर लिखे आशीर्वाद

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत तरीके से हुआ। विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों ने तिलक लगाकर और बैच पहनाकर दादा-दादी, नाना-नानी का आदरपूर्वक स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. गंगवार को कृतज्ञता के प्रतीक स्वरूप एक पौधा भेंट किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की मंगल शुरूआत हुई। समारोह में सबसे भावुक पल तब आया जब आशीर्वाद वृक्ष गतिविधि का आयोजन हुआ। इसमें बच्चों के दादा-दादी व नाना-नानी ने कागज की पत्तियों पर अपने संदेश और आशीर्वाद लिखकर उन्हें एक कृत्रिम वृक्ष पर लगाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्रैंड पैरेंट्स ने इस आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना की। कहा कि आज के दौर में जहां समाज संकीर्णता की ओर जा रहा है, वहां बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़े रखने की दिशा में डीपीएस बोकारो का यह प्रयास अनुकरणीय है। इस दौरान फोटोग्राफी के लिए बनाया गया सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा। उत्साहित ग्रैंड पेरेंट्स अपने मोबाइल कैमरे से इस अविस्मरणीय क्षण को कैद करते भी देखे गए।

सीआईएसएफ ने बीजीएच अस्पताल में आयोजित किया अग्निशमन जागरूकता कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

बोकारो : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की अग्निशमन शाखा ने बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के बीजीएच अस्पताल में अग्निशमन जागरूकता कार्यक्रम और फायर डेमो का सफल आयोजन किया। सुबह 11 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में करीब 100 स्टाफ सदस्यों, नर्सिंग ट्रेनीज और डॉक्टरों ने भाग लिया।सीआईएसएफ बीएसएल के उपमहानिरीक्षक राजीव मिश्रा आईपीएस के मार्गदर्शन और उप कमांडेंट (अग्नि) देवव्रत दत्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में अग्नि सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपायों पर जानकारी दी गई। सीआईएसएफ कर्मियों ने फायर डेमोंस्ट्रेशन भी प्रस्तुत किया, जिसमें ट्रेनीज और नर्सिंग स्टाफ ने सक्रिय रूप से भागीदारी की।बीजीएच के विभागीय सुरक्षा अधिकारी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में शामिल कर्मियों ने सीआईएसएफ की पहल की सराहना की और कहा कि यह उनके लिए उपयोगी साबित होगा। सीआईएसएफ नियमित रूप से बीएसएल कर्मचारियों, ठेका मजदूरों, टाउनशिप स्कूलों के छात्र-शिक्षकों, अस्पताल स्टाफ और इलेक्ट्रिक सबस्टेशन कर्मियों के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम चला रही है।

मंडल कारा चास में डीसी-एसपी की मौजूदगी में विशेष छापेमारी, घंटों चली सघन जांच

बिभा संवाददाता

बोकारो : मंगलवार को मंडल कारा चास में उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह की देखरेख में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। करीब एक घंटे तक चले इस अभियान में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और जवानों की छह अलग-अलग टीमों ने जेल परिसर के विभिन्न वार्डों में सघन जांच की।

छापेमारी के दौरान कैदियों के वार्ड, बैरक और अन्य स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई। हालांकि जांच के दौरान किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ। प्रशासन ने बताया कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा किसी भी अवांछित गतिविधि पर रोक लगाने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई नियमित रूप से की जाती है।

अभियान में अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, डीएसपी सिटी आलोक कुमार, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, डीएसपी मुख्यालय अनिमेष गुप्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, डीएसपी ट्रैफिक विद्या शंकर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो सहित अन्य अधिकारी और जवान शामिल रहे।

मौके पर जेल अधीक्षक सह डीएलओ द्वारिक बैठा, जेलर रामाकांत और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

डीवीसी चंद्रपुरा में 55 वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह संपन्न

प्लांट में कार्य करने के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखना अत्यंत जरूरी : अभिजीत

बिभा संवाददाता

चंद्रपुरा (बोकारो) । दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन और सुरक्षा विभाग द्वारा द्वारा मनाये जा रहे 55 वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह आज संपन्न हो गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को उपहार भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया।

यहां की इकाई 7 - 8 के सम्मेलन कक्ष मे आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ महाप्रबंधक (परिचालन एवं अनुरक्षण) श्री अविजीत घोष ने कहा कि प्लांट में कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षा के मानकों का पूरा-पूरा ख्याल रखना अति आवश्यक है। सुरक्षा जागरूकता हमेशा बनी रहनी चाहिए । उन्होंने कहा कि रोजाना के प्रयोग में सुरक्षा का ख्याल रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चंद्रपुरा थर्मल में सुरक्षा प्रवृत्ति बढ़ रहा है।इसे और भी मजबूत बनाना हम सबों की जिम्मेदारी है । समारोह का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक पवन कुमार और तनवीर अख्तर ने किया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों सायन कुमार, संजीव कुमार ,अजीत कुमार, नटराज कुमार ,संजीत कुमार ,रामजी रजक, मीता मंडल, विनोद बरूरी , तपस कुमार मंडल , एवं अभिनंदन कुमार को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक राजीव रंजन ,राजीव रंजन ओझा, अक्षय कुमार आदि उपस्थित थे।

बोकारो इस्पात संयंत्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में 10 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, निदेशक प्रभारी (बोकारो इस्पात संयंत्र) प्रिय रंजन ने विशिष्ट अतिथियों के साथ परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया, जो ज्ञान, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है. इस अवसर पर बोकारो महिला समिति की अध्यक्षा शुभम रंजन, पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल (प्रसिद्ध पर्वतारोही) तथा पद्मश्री चामी मुर्मू (पर्यावरण कार्यकर्ता) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं.

समारोह में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) बनर्जी राजश्री, अधिशासी निदेशक (खान) विकास मनवती, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. के. भारद्वाज, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. आनंद कुमार, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) धनंजय कुमार, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा तथा महाप्रबंधक (बीई) अनुपमा तिवारी सहित बड़ी संख्या में महिला अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे.

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) अनिमा कुशवाहा ने स्वागत भाषण देते हुए सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने बीएसएल की महिला कर्मियों को इंक्रेडिबल आयरन लेडीज की संज्ञा देते हुए उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की. इस वर्ष के विषय गिव टू गेन पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण समाज और संगठन की संपूर्ण क्षमता को उजागर करने का माध्यम है. उन्होंने कविता के माध्यम से नारी शक्ति को दुर्गा का रूप बताते हुए उनकी वंदना की.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में कला अकादमी के छात्रों द्वारा भक्ति नृत्य, महिला अधिकारियों द्वारा प्रेरणादायक गीत तथा संकार्य विभाग की गैर-कार्यपालक महिला कर्मियों द्वारा क्षेत्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल और पद्मश्री चामी मुर्मू ने अपने प्रेरक अनुभवों को साझा किया, जिसके पश्चात उन्हें सम्मानित भी किया गया. कार्यक्रम में बीएसएल की 20 महिला कार्मिकों को उत्कृष्टता अवार्ड तथा प्रोजेक्ट्स डिवीजन में कार्यरत सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला कर्मचारी जानकी देवी को दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया. अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री प्रिय रंजन ने संयंत्र की प्रगति में महिलाओं की निर्णायक भूमिका की सराहना की और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया.

विशेष आकर्षण के रूप में बोकारो जनरल अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा जीते हैं चल संवाद नृत्य, स्टील गल्स 2.0 नृत्य नाटिका, 'किलकारी' क्रेच के बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस तथा वित्त एवं लेखा विभाग द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की गई. साथ ही बीजीएच के नर्सिंग स्टाफ द्वारा नथिंग इज इम्पॉसिबल नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई. कार्यक्रम का समापन महाप्रबंधक (बीई) अनुपमा तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ.

यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र में समावेशी कार्य-संस्कृति को बढ़ावा देने और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रबंधन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और उनकी उपलब्धियों का सम्मान न केवल कार्यस्थल पर सकारात्मकता और मनोबल बढ़ाता है, बल्कि यह संयंत्र की समग्र उत्पादकता, कार्य-कुशलता और संगठनात्मक उत्कृष्टता के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ताओं का सिलेंडर के लिए वितरण केन्द्र में लगी भीड़

बिभा संवाददाता

खूँटी। होली के बाद घरेलू गैस सिलेंडर सप्लाई नहीं होने से लोग परेशान रहे। वहीं मंगलवार को सिलेंडर आते ही शहर के विभिन्न गैस एजेंसियों में काफी भीड़ रही। जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों घरेलू रसोई गैस की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। गैस सिलेंडर नहीं मिलने से आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ता खाली सिलेंडर लेकर एक एजेंसी से दूसरी एजेंसी तक चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन कई जगहों पर उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। वहीं मंगलवार को बिरसा गैस एजेंसी और प्रियम गैस एजेंसी में लोगों की जबरदस्त भीड़ रही। बिरसा गैस एजेंसी में तो गैस सिलेंडर खत्म होने की बात कह दी।

जानकारी के अनुसार, हाल में युद्ध शुरू होने के बाद गैस की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। इसका असर यह हुआ कि गैस एजेंसियों में सिलेंडरों की उपलब्धता कम हो गई है। पहले जहाँ लोगों को आसानी से सिलेंडर मिल जाया करता था, वहीं अब कई दिनों तक इंतजार करना पड़ा है।

इधर, युद्ध शुरू होने के साथ ही घरेलू रसोई गैस की कीमत में भी लगभग 60 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। कीमत बढ़ने और सिलेंडर की कमी से आम उपभोक्ताओं पर दोहरी मार पड़ रही है। बढ़ती महंगाई के बीच गैस की कीमतों में इजाफे ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस आपूर्ति व्यवस्था को जल्द से जल्द सामान्य कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। साथ ही गैस एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है, जिससे ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

वहीं, गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि आपूर्ति पूरी तरह बंद नहीं हुई है, लेकिन फिलहाल आपूर्ति में कमी जरूर आई है, जिसके कारण सिलेंडरों की उपलब्धता प्रभावित हो रही है।

नवनिर्मित श्री बजरंग बली मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान 12 को, मंदिर भ्रमण और कलश यात्रा से होगा शुरूआत

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले के शहरी क्षेत्र स्थित प्रेम नगर कृषि मार्केट के पीछे मंदिर समिति की सार्थक पहल से नवनिर्मित श्री बजरंग बली मंदिर में एक दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आगामी 12 मार्च को आयोजित किया जाएगा. इसे लेकर मंदिर समिति के सदस्यों ने भव्य तैयारियां शुरू कर दिया हैं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालुओं में भी भारी उत्साह है. आयोजन समिति ने कार्यक्रम की सफलता को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली है. अनुष्ठान का शुरूवात 11 मार्च से भगवान के मूरत को मंदिर भ्रमण कर किया जायेगा साथ ही प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 12 मार्च को कलश यात्रा के साथ शुरू होगा. समिति के रामविलास साहू ने बताया कि 12 मार्च (गुरुवार) को भव्य कलश यात्रा के साथ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का शुभारंभ होगा. पुरोहितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराये जायेंगे. मंदिर निमार्ता रामविलास साहू और उनकी धर्मपत्नी बिरसमुनी देवी द्वारा नवनिर्मित बजरंग बली मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा। पूजा अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर समिति की ओर से भंडारा का भी आयोजन किया गया है। आयोजन को सफल बनाने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया गया है, जो अतिथियों के स्वागत और व्यवस्था की कमान संभालेगी. श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद (भंडारा) की भी व्यवस्था की गयी है. समिति के सदस्यों ने क्षेत्र के सभी सनातन प्रेमियों से इस धार्मिक अनुष्ठान, कलश यात्रा और भंडारा में शामिल होने की अपील की है. मौके पर शिवदयाल साहू, विदेशी साहू, मुनका साहू, मुन्ना साहू, मुकेश जायसवाल, ढेलू साहू, हीरा साहू, बिंदेश्वर महतो, उदय सिंह, सोनू भगत, आशीष नाग, मुनका साहू, जसपाल सिंह, दीपक महतो, महेश शर्मा, बिपिन अग्रवाल सतीश यादव इत्यादि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

महिला सशक्तिकरण पर स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विशेष सेमिनार

हजारीबाग(बिभा): स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमे महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार और महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं ने महिला सशक्तिकरण एवं नारी सम्मान पर अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नारी समाज की आधारशिला है। नारी केवल परिवार की ही नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति, त्याग, ममता और प्रेरणा का प्रतीक है, इसलिए समाज में नारी का सम्मान और सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह देखा गया। उनके उत्साहवर्धन के लिए विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।मंच संचालन सहायक प्राध्यापक दीपक भारती ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. धनश्याम राम के द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों, प्रशिक्षुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया ।अंत में सभी ने महिलाओं के सम्मान, समानता और अधिकारों को समाज में सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के लिए प्रेरणादायक एवं जागरूकता बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ।

नवनिर्वाचित महापौर अरविंद राणा का उत्कर्ष सामाजिक संस्थान द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

हजारीबाग(बिभा): शहर में नवनिर्वाचित महापौर अरविंद राणा के सम्मान में उत्कर्ष सामाजिक संस्थान द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक, ने भाग लिया। संस्थान के पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित महापौर अरविंद राणा को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों ने कहा कि अरविंद राणा की जीत जनता के विश्वास और उनके वर्षों के सामाजिक कार्यों का परिणाम है। अपने संबोधन में महापौर अरविंद राणा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि पूरे शहर की जनता का है। उन्होंने शहर के विकास, स्वच्छता, बेहतर सड़क व्यवस्था, जल निकासी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की बात कही।

22 मार्च को भव्य बाहा (सरहुल) सेंदरा यात्रा को लेकर तैयारी बैठक संपन्न

कोल्हान/चांडिल(बिभा): आगामी 22 मार्च को चांडिल अनुमंडल स्तरीय भव्य बाहा (सरहुल) सेंदरा यात्रा के आयोजन को लेकर दिशोम जाहेरगढ़,चांडिल गोलचक्कर में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सेंदरा यात्रा को भव्य और सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बाहा (सरहुल) आदिवासी समाज का एक महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है, जो प्रकृति, जल, जंगल और जमीन के प्रति श्रद्धा एवं आस्था का प्रतीक है। इस अवसर पर समाज के लोग एकजुट होकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना करते हैं और सेंदरा यात्रा के माध्यम से अपनी संस्कृति और परंपरा का प्रदर्शन करते हैं। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेंदरा यात्रा को शांतिपूर्ण, अनुशासित और आकर्षक ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की। यात्रा के दौरान पारंपरिक वाद्य-यंत्र, नृत्य-गीत और सांस्कृतिक झांकी को शामिल करने पर भी विचार-विमर्श किया गया, ताकि कार्यक्रम को भव्य रूप दिया जा सके। साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनों, युवा वर्ग और समुदाय के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यात्रा के सफल संचालन के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की जाएंगी और समाज के वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड दिशोम जाहेरगढ़ के अध्यक्ष दिलीप किस्कु, बैधनाथ टुडू,आदिवासी समन्वय समिति के प्रकाश मार्डी, डोमन बास्के, सोनाराम मार्डी, वरिष्ठ भूमिज समाज के राधेश्याम भूमिज, महावीर हांसदा, मोतीलाल सोरेन, सिमल बेसरा, संजय हांसदा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर सेंदरा यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

तोरपा अम्मा पकना के बीच कारो नदी पर बना उच्च स्तरीय पुल के पिलर में बना खोह

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में लगातार हो रहे अवैध बालू उत्खनन और उसकी कालाबाजारी पर रोक लगाने में सरकार और प्रशासन नाकाम साबित होते दिख रहे हैं। इसका असर अब बुनियादी ढांचे पर भी पड़ने लगा है। अवैध खनन के कारण जिले में पहले भी कई पुलों को नुकसान पहुँच चुका है। अब इसी कड़ी में तोरपा थाना क्षेत्र के तोरपा अम्मा के बीच मुख्य सड़क के कारो नदी पर बना उच्च स्तरीय पुल भी खतरे की जद में आ गया है। खूँटी होकर सिमडेगा और राउरकेला, मुंबई महाराष्ट्र से जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित कारो नदी पुल के नीचे से लगातार बालू निकाले जाने के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। नदी तल से बालू और पत्थर हट जाने के कारण पुल की नींव कमजोर होती जा रही है, जिससे इसके ध्वस्त होने का खतरा बढ़ गया है। अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई और पुल को सुरक्षित करने के उपाय नहीं किए गए, तो किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। पुल के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो जाएगा, जिससे हजारों लोगों का जनजीवन प्रभावित हो सकता है। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिरकार अवैध बालू खनन पर कब लगाम लगेगी और प्रशासन इस गंभीर समस्या पर क्या कदम उठाता है। जिला खनन पदाधिकारी रामनरेश सिंह ने बताया कि बालू उत्खनन के विरुद्ध हमलोग कार्रवाई लगातार कर रहे हैं। जहाँ भी पाते हैं कार्रवाई करते हैं। हाल के दिनों में भी कार्रवाई की गयी है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगा।

मुरहू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में धूल फांक रहा है लाखों दाँत उपचार मशीन बेकार

खूँटी । जिले में स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था केवल खरीदारी पर बनी हुई है। चाहे उसका उपयोग हो या न हो। मुरहू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाखों रुपए का बजट बनाकर दाँत उपचार के लिए मशीन खरीदा गया है। लेकिन इसका कोई उपयोग यहां नहीं होता है। व्यवस्था जानती थी कि चिकित्सक के बिना उपयोग तो होगा नहीं लेकिन इसके बावजूद योजना बनाया गया और दाँत उपचार मशीन खरीदा गया ताकि सरकारी मद का खर्च दिखा सकें। इस प्रकार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगाये गये उपकरण का लाभ जनहित में नहीं हो रहा है। केवल सरकारी मद का बंदरबांट दिखाई दे रहा है। स्थानीय अस्पताल स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष और उपप्रमुख अरुण साबू ने बताया कि अस्पताल में चिकित्सक नहीं रहने के कारण से अस्पताल में लगाए गए उपकरणों का कोई उपयोग नहीं हो रहा है । और इसका जनता को लाभ मिल रहा है। अगर उसका उपयोग होता तो लोगों को इसका लाभ मिलता इस प्रकार, साल भर से लाखों रुपए मशीन खरीदकर बेकार पड़ा हुआ है।

रामनवमी महासमिति चुनाव: 6 प्रत्याशी मैदान में, 4 ने वापस लिया नाम चुनाव 14 मार्च को

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: चुनाव समिति के सदस्य महंत विजयानंद दास,बप्पी करण, लब्बू गुप्ता, संदीप सिन्हा , निशांत प्रधान, आदि ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि श्री श्री चैत्र रामनवमी महावीरी झंडा महासमिति 2026 के अध्यक्ष पद को लेकर चल रही चुनावी प्रक्रिया में दिलचस्प मोड़ आ गया है। प्रारंभिक चरण में कुल 10 प्रत्याशी मैदान में उतरे थे, हालांकि नाम वापसी की प्रक्रिया के दौरान 4 प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद चुनावी मुकाबला अब सीमित प्रत्याशियों के बीच रह गया है, जिससे चुनाव और भी रोचक हो गया है।निर्वाचन प्रक्रिया के तहत सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिए गए हैं। दीप प्रकाश चक्र छाप, अजय दास स्वास्तिक छाप**, पुरुषोत्तम ॐ छाप, लड्डू उर्फ करण यादव त्रिशूल छाप, मनीष गोप गदा छाप तथा दीपक देवराज को शंख छाप चुनाव चिन्ह प्रदान किया गया है। प्रत्याशी इन्हीं चिन्हों के सहारे अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगे।रामनवमी महासमिति के इस चुनाव में मतदान का अधिकार केवल पंजीकृत अखाड़ों के पदाधिकारियों को दिया गया है। कुल रजिस्टर्ड अखाडे 104 है जिसके अध्यक्ष और सचिव के साथ-साथ महासमिति के पूर्व 22 अध्यक्ष भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

हजारीबाग में रामनवमी का पर्व काफी भव्य और ऐतिहासिक रूप से मनाया जाता है, ऐसे में महासमिति अध्यक्ष का चुनाव हमेशा से शहर में चर्चा का विषय बना रहता है। चुनाव को लेकर विभिन्न अखाड़ों और समर्थकों के बीच भी उत्साह देखा जा रहा है। अब सभी की निगाहें चुनाव परिणाम पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि आने वाले समय में रामनवमी 2026 के आयोजन की कमान किसके हाथों में होगी।

रामनवमी एवं मंगला जुलूस को लेकर जिला प्रशासन ने रूट वेरिफिकेशन व फ्लैग मार्च किया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: आगामी रामनवमी एवं मंगला जुलूस को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जुलूस के निर्धारित मार्गों का रूट वेरिफिकेशन एवं निरीक्षण किया गया। इस क्रम में जिला प्रशासन ने सीसीआर से पेट्रोलिंग की शुरूआत की, जो इंद्रपुरी चौक, नूरा, पगमिल, छड़वा डैम होते हुए झंडा चौक पहुंची। इसके उपरांत प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का प्रदर्शन करते हुए बड़ा अखाड़ा, पंच मंदिर चौक से होते हुए जामा मस्जिद रोड तक फ्लैग मार्च किया गया।

जिला प्रशासन ने माननीय उच्च न्यायालय के निदेर्शों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि पर्व-त्योहारों के दौरान डीजे के प्रयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग करें।

रामनवमी पर्व 2026 के अवसर पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मंगला जुलूस के दौरान विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु कई स्थानों पर जोनल दंडाधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं लाठी बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने निर्धारित स्थैतिक स्थानों पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, अपर समाहर्ता संतोष सिंह, सहायक समाहर्ता आनंद शर्मा, भू-अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार, डीआरडीए निदेशक श्रीमती मां देवप्रिया, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री वैद्यनाथ कामती, डीपीआरओ रोहित कुमार सहित कई अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निष्पादन के निर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित कर विधि-सम्मत जांच करते हुए त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।जनता दरबार में हजारीबाग शहर निवासी सरफराज अहमद ने शहर में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश (नो-एंट्री) का समय बढ़ाने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने सदर एसडीओ, ट्रैफिक डीएसपी एवं सहायक नगर आयुक्त को मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।वहीं ग्राम पंचायत पांडु, केरेडारी की मुखिया सकिबा खातून ने अपने क्षेत्र के पुनर्वास स्थलों पर बिजली, सड़क, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को समग्र पुनर्वास परियोजना के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसी क्रम में ग्राम पंचायत खरना की मुखिया निर्मला देवी ने ग्राम गडरबारा स्थित चुंड़रमांड़ो के समीप सगधोवा नदी पर पुल निर्माण कराने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने डीडीसी एवं डीपीओ को विष्णुगढ़ बीडीओ से जांच प्रतिवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।इसके अतिरिक्त केरेडारी थाना क्षेत्र के ग्राम हिंदेगीर निवासी कलेश्वरी देवी ने भूमि का सीमांकन कर मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने केरेडारी अंचलाधिकारी को मामले का निष्पादन कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

जनता दरबार में भूमि मापी, दाखिल-खारिज, विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता तथा मुआवजा से संबंधित कई अन्य मामले भी प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी मामलों को संबंधित पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा फरियादियों को निष्पक्ष एवं समयबद्ध न्याय का भरोसा दिलाया।

ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर प्रशासन अलर्ट, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट से बचने की अपील

आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई : एसपी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : आगामी ईद, सरहुल और रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर हजारीबाग जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर उनके कार्यालय हजारीबाग की ओर से सोशल मीडिया के सभी ग्रुप एडमिन एवं सदस्यों के लिए आवश्यक निर्देश जारी किया गया है। प्रशासन ने त्योहारों के दौरान समाज में भाईचारा और शांति बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया पर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। जारी आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया के सभी ग्रुप एडमिन अपने-अपने ग्रुप में होने वाली गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी व्यक्ति द्वारा साम्प्रदायिक, भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट साझा न किया जाए। यदि किसी प्रकार की संदिग्ध या संवेदनशील सूचना प्राप्त होती है तो उसकी सत्यता की प्रशासनिक पुष्टि किए बिना उसे आगे साझा न करें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान अक्सर कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते हैं। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग लगातार सोशल मीडिया पर नजर बनाए हुए है। झारखंड राज्य के विभिन्न हिस्सों में पहले भी इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ विधि-सम्मत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है।

पुलिस अधीक्षक ने सोशल मीडिया ग्रुप एडमिन और आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें तथा समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें और न ही उसे आगे प्रसारित करें। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाना या समाज में अशांति फैलाने का प्रयास करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आवश्यक होने पर उन्हें जेल भी भेजा जा सकता है।

युवक ने की फंदे से लटक कर खुदकुशी

धनबाद। शहर के सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरलीनगर इलाके में मंगलवार को युवक अमित कुमार खेत्रोपाल (19) ने अपने घर में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतक के मामा रंजित के अनुसार अमित पिछले कुछ वर्षों से मानसिक तनाव से जूझ रहा था और उसका इलाज रांची में चल रहा था। परिजनों के अनुसार वह करीब पांच वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसका नियमित इलाज कराया जा रहा था। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में कोई नहीं था और वह कमरे में अकेला था। इसी दौरान उसने गमछे का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली।

नो स्मोकिंग डेः निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

योगेश कुमार गोयल

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद...

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरूआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरूआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक

पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक ह्यमौत को खुला निमंत्रणह्ण प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरूआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

संपादकीय

संसद के दूसरे चरण में सरकार की मुश्किल

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू हुआ और पहले दिन ही मोदी सरकार विपक्ष के सवालों से बुरी तरह घिर गई। इस बात का अनुमान पहले से था कि सत्र के पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी सरकार को कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा और यह अंदाज भी था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर खुद सामने न आकर अपने मंत्रियों को आगे करेंगे। ऐसा ही हुआ भी। सोमवार को संसद के दोनों सदनों में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान में चल रहे युद्ध और इस वजह से मध्यपूर्व में आए अभूतपूर्व संकट पर बयान दिए। लेकिन इस बयान में एक चयनित रूझान दिखा। सरकार ने केवल उन्हीं मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसमें उसे सुविधा हो, और असुविधाजनक बातों को बड़ी चतुराई से किनारे कर दिया गया। जैसे हजारों बरसों से जिस ईरान के साथ भारत के संबंध रहे हैं, उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर संवेदना का एक लफ्ज सरकार ने सदन में नहीं कहा, हालांकि खामेनेई की मौत के छह दिन बाद जाकर विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक संदेश लिखा। ईरान पर हमले की निंदा भारत सरकार ने नहीं की। हिंद महासागर में जिस ईरानी युद्धपोत पर हमला कर अमेरिका ने सौ से ज्यादा नौसैनिकों की जान ले ली, उस पर भी भारत सरकार ने ऐतराज नहीं जताया, जबकि ये नौसैनिक भारत के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास से लौट रहे थे। अमेरिका और इजरायल ने भारतीय मेहमानों की जान ली और मोदी सरकार इस पर भी चुप रही, इससे ज्यादा शर्मनाक बात नहीं हो सकती। कायदे से सरकार को ईरान युद्ध और उसके प्रभाव की पूरी तस्वीर संसद में पेश करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने आधी-अधूरी बात की और उस पर तुर्रा यह कि विपक्ष सवाल पूछे तो उसे गैरजिम्मेदाराना कहा जाए। बता दें कि विपक्ष ने सोमवार को संसद के दोनों सदनों में युद्ध और उसके समेकित प्रभाव से जुड़े सवाल सरकार से पूछने की मांग की, मगर इस मांग को लगातार नकारा गया, नतीजा यह हुआ कि राज्यसभा से विपक्ष ने बहिर्गमन किया। इसके लिए भी सरकार ने विपक्ष को ही दोषी ठहराया। इससे पहले जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी बात रखी तो सत्ता पक्ष की तरफ से लगातार हल्ला किया गया। हालांकि फिर भी खड़गे जी ने मांग रखी कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर उभरती चुनौतियों पर अल्पकालिक चर्चा हो। उन्होंने कहा, 'यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है; इसने अब भारत की ऊर्जा सुरक्षा और देश की छवि को प्रभावित किया है। इस संघर्ष के परिणाम हमारी आर्थिक स्थिरता पर भी असर डालेंगे।' उन्होंने खाना बनाने के गैस की कीमतों में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर प्रभाव का जिक्र किया। यही बातें लोकसभा में भी विपक्ष उठाना चाह रहा था लेकिन उसे अनुमति नहीं मिली। जबकि यह हकीकत है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका का हमला और उस पर ईरान के पलटवार का खामियाजा केवल खाड़ी देश ही नहीं भारत भी उठा रहा है। इस इलाके में कम से कम एक करोड़ भारतीय रहते हैं, जिसमें अभी 67 हजार ही वापस आए हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए रह जाती है पूर्व जन्म की स्मृतियां

माना जाता है कि संसार में हम जो भी काम करते अथवा बोलते हैं वह एक उर्जा के रूप में प्रकृति में वर्तमान रहती है। उर्जा के विषय में विज्ञान कहता है कि उर्जा कभी नष्ट नहीं होती है। इसका स्वरूप बदलता रहता है। हमारी आत्मा भी उर्जा का ही स्रोत है इसलिए कभी मनुष्य शरीर में रहती है तो कभी पशु, कीट की योनी में जाकर रहती है। लेकिन अपनी आत्मा को हम किस रूप में स्थान देना चाहते हैं यह हमारे अपने हाथ में है। जिस प्रकार उर्जा को कर्म के अनुसार रूपांतरित किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार कर्म के अनुसार आत्मा को भी रूप दिया जा सकता है। पुराणों में बताया गया है कि आत्मा का वही रूप होता है जैसे शरीर में वह विराजमान होता है। वर्तमान जन्म में हम जो अच्छे या बुरे कर्म करते हैं उसके अनुरूप आत्मा दूसरा शरीर ग्रहण करती है। आत्मा अपने साथ पूर्व जन्म की स्मृति और आकांक्षाओं को भी साथ में लेकर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। शरीर बदलने के बाद भी आत्मा पुराने शरीर की स्मृतियों को नहीं भूलती है। इस तथ्य को परामनोवैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। मरने के समय जिनकी आत्मा अतृप्त रहती है और पूर्व जन्म कार्यों को पूरा करने के लिए छटपटाती रहती है। ऐसे लोगों को अपने पूर्व जन्म की कई बातों की स्मृति रहती है। पुराणों में पार्वती के पूर्व जन्म की कथाओं का उल्लेख मिलता है। कथाओं में बताया गया है कि पार्वती को पूर्व जन्म में प्रजापति दक्ष की पुत्र के रूप में जन्म लेकर शिव से विवाह और अग्नि कुण्ड में भष्म होने की घटना का स्मरण था। शिव को फिर से पति रूप में पाने के लिए ही सती ने पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या किया। पुराणों और शास्त्रों में कई ऐसी कथाओं का जिप्र किया गया है जिसमें व्यक्ति को अपने पूर्व जन्म की घटनाओं की स्मृति रही। जिमूतवाहन व्रत में भी इसी तरह की एक कथा का उल्लेख मिलता है।

तीन साल में तीन आईसीसी ट्रॉफीः भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम दौर और खिलाड़ियों की मेहनत का ऐतिहासिक फल

कांतिलाल मांडोत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने केवल एक टूर्नामेंट नहीं जीता, बल्कि लगातार सफलता की ऐसी कहानी लिखी जिसने दुनिया को भारतीय क्रिकेट की ताकत का एहसास करा दिया। पिछले तीन वर्षों में तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतना इस बात का प्रमाण है कि टीम इंडिया ने निरंतरता, आत्मविश्वास और सामूहिक मेहनत से सफलता का नया अध्याय रचा है।

भारत की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इतने बड़े लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई और पूरी टीम 159 रन पर ही सिमट गई। इस प्रकार भारत ने न केवल जीत दर्ज की बल्कि टी-20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक शैली का शानदार प्रदर्शन भी किया।

इस ऐतिहासिक जीत का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि भारत ने तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां जीतने का कारनामा किया है। वर्ष 2024 में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर लगभग 17 वर्षों बाद इस खिताब को अपने नाम किया था। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी लय बरकरार रखी और अब 2026 में फिर से टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया। लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारत पहली टीम बन गई है और यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर को दर्शाती है।

टीम इंडिया की सफलता के पीछे केवल प्रतिभा नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और टीम भावना भी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने विरोधी टीमों के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने 106 छक्के लगाए, जो किसी भी टी-20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं बल्कि आक्रामक क्रिकेट खेलने में भी सबसे आगे है।

इस शानदार प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान रहा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का। संजू सैमसन ने पूरे टूर्नामेंट में 321 रन बनाए और भारत के लिए एक टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, आक्रामकता और जिम्मेदारी का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया, जिसने भारत को कई कठिन मैचों में जीत दिलाई।

संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और फाइनल जैसे दबाव भरे मुकाबलों में भी उन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट लगभग 200 के आसपास रहा, जो टी-20 क्रिकेट के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। उनके इस शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी में इंसान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईशान किशन ने पूरे टूर्नामेंट में 317 रन बनाए और कई मैचों में तेज शुरूआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। वहीं अभिषेक शर्मा ने फाइनल में केवल 18 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह से दबाव में ला दिया।

टीम इंडिया की गेंदबाजी भी इस टूर्नामेंट में उतनी ही प्रभावशाली रही। भारतीय तेज गेंदबाज जशप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में उन्होंने केवल 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत को आसान बना दिया। यही कारण है कि उन्हें फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।

भारतीय टीम की सफलता में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का योगदान भी बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 200 से अधिक रन बनाए और साथ ही महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। सेमीफाइनल में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई, जिसने टीम का आत्मविश्वास और भी मजबूत कर दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवम दुबे की छोटी लेकिन विस्फोटक पारी भी बेहद अहम साबित हुई। जब भारत की पारी थोड़ी धीमी पड़ती दिखाई दे रही थी, तब शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज रन बनाकर टीम का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया। उनकी केवल 8 गेंदों में 26 रन की पारी ने न्यूजीलैंड के सामने बेहद मुश्किल लक्ष्य खड़ा कर दिया।

इस पूरी सफलता के पीछे टीम के कोच गौतम गम्भीर की रणनीति और मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। गंभीर पहले खिलाड़ी के रूप में बड़े फाइनल मैचों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और अब कोच के रूप में भी उन्होंने टीम को सफलता दिलाई है। उनकी सोच, रणनीति और खिलाड़ियों पर विश्वास ने टीम को लगातार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई।

भारतीय टीम की इस जीत ने पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया। जीत के बाद देशभर में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। कई जगहों पर आतिशबाजी हुई और लोग तिरंगा लेकर खुशी से झूमते नजर आए। यह जीत केवल खिलाड़ियों की नहीं बल्कि पूरे देश की जीत बन गई।

दरअसल, खेल केवल प्रतिभा का नहीं बल्कि मेहनत, धैर्य और टीम भावना का परिणाम होता है। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अभ्यास, फिटनेस और मानसिक मजबूती के साथ खुद को तैयार किया और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। यही कारण है कि उनकी मेहनत का फल अब लगातार जीत के रूप में सामने आ रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा का प्रतीक है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरणा देगी कि अगर मेहनत, समर्पण और टीमवर्क के साथ खेला जाए तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इस जीत के साथ दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह केवल मजबूत टीम ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट की नई शक्ति बन चुकी है। खिलाड़ियों की मेहनत, कोच की रणनीति और करोड़ों भारतीयों के समर्थन ने मिलकर यह ऐतिहासिक सफलता संभव बनाई है। यही कारण है कि आज हर भारतीय गर्व से कह सकता है कि यह जीत मेहनत, विश्वास और सपनों की जीत है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ?

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली खामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रंद्धाजलि दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें। लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्ध के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कर्मशियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरका र क्या क्या कार्य रही है।

अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुगलों को हराया था। लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यतः सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं।

अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है।

ज्ञात रहे कि भारत -ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है।

आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इजरायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है।

वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं।

पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की विदेश नीति हमेशा से पश्चिमी देशों के प्रभाव का विरोध करने वाली रही है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका और ईरान के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश जारी रखी है इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की स्थिति न होते हुए भी छद्म युद्ध और सैन्य गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। यदि यह तनाव

खुली लड़ाई में बदलता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत के लिए भी ईरान का महत्व कम नहीं है। भारत और ईरान के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के संबंध रहे हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। हालांकि अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरान के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद और कूटनीति को बढ़ावा दिया जाए। युद्ध और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हो सकती है।

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्युनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

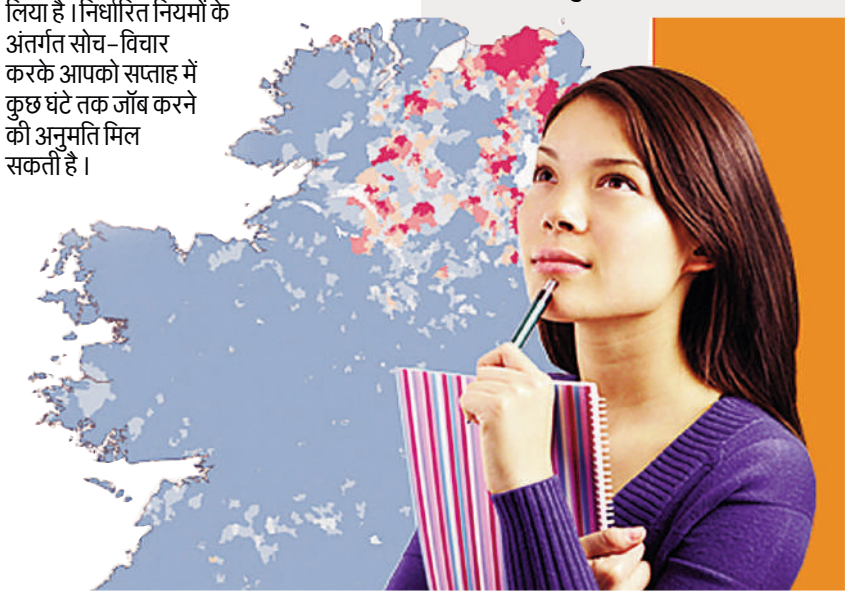

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

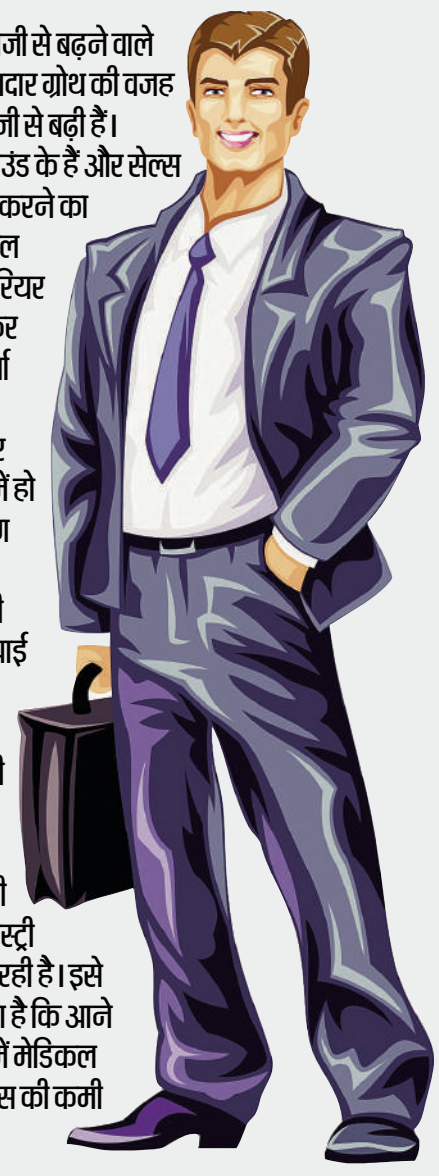

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रेश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

पंजाब में बीजेपी के नेता अमित गोसाईं अकाली दल में शामिल

लुधियाना (एजेंसी)। मंगलवार को पंजाब की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हुआ, जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित गोसाईं ने इस्तीफा दे दिया और कुछ समय बाद अपने समर्थकों के साथ शिरोमणि अकाली दल में शामिल हुए। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया और साथ ही लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज भी नियुक्त किया। बता दें कि गोसाईं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सतपाल गोसाईं के पोते हैं। बादल ने अमित गोसाईं का शिरोमणि अकाली दल के परिवार में स्वागत कर कहा कि अमित अपने दादा सतपाल गोसाईं के काम में उनका साथ देते रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के स्पोक्सपर्सन पद से भी इस्तीफा दे दिया है। सुखबीर ने भरोसा जताया कि अमित गोसाईं के आने से शिरोमणि अकाली दल और मजबूत होगा। अकाली दल प्रमुख बादल ने गोसाईं को लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज बनाया और कहा कि अकाली दल में उनके साथ शामिल हुए है उनका भी पूरा सम्मान और अहम जिम्मेदारियां दी जाएगी। इसके पहले सतपाल गोसाईं ने सोशल मीडिया पर कहा था कि वह आज दुखी मन से भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक मेंबरशिप से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि उनसे पार्टी की दुर्दशा देखी नहीं जा रही है, इसलिए वह इस्तीफा दे रहे हैं।

गुमला में हाथी के कहर से मासूम की मौत

गुमला (एजेंसी)। झारखंड के गुमला जिला के पतराटोली गांव में देर रात जंगली हाथी के अचानक घर में प्रवेश से एक चार माह की बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। घटना चंदन उरांव के घर में हुई। बताया गया है कि हाथी ने घर के पास दीवार को जोरदार धक्का दिया, जिससे कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। तब घर में चंदन की पत्नी सुषमा उरांव अपने दो बच्चों के साथ सो रही थी। दीवार गिरने की आवाज सुनकर सुषमा ने अपने पांच वर्षीय बेटे को लेकर भागने में सफल रहीं, लेकिन हड़बड़ी में चार माह की बेटी अमिता कुमारी मलबे में दब गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सुषमा को भी चोटें आईं, जिन्हें ग्रामीणों ने प्राथमिक उपचार दिया। मां अपने बच्चे को खोने के सदमे में बार-बार बेहोश हो रही थीं, और गांव की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाती रहीं। घटना की सूचना मिलने पर करंज थाना पुलिस और बसिया वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। ग्रामीणों में जंगली हाथी के प्रवेश से भय और दहशत का माहौल है; लोग रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं। प्रभावित परिवार ने वन विभाग से हाथी को खदेड़ने और मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन से भी परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की जा रही है। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है और यह जंगली हाथियों और मानव बस्तियों के बीच लगातार बढ़ते संघर्ष की चिंता को उजागर करती है।

नॉर्थ ईस्ट के लोगों के साथ मारपीट, सीएम संगना ने दिल्ली पुलिस सुरक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक बार फिर नॉर्थ ईस्ट के लोगों के मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। 8 मार्च को साकेत नगर के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कॉम्प्लेक्स के पास मणिपुर की रहने वाली युवती और उसके दोस्तों से मारपीट की घटना हुई। पुलिस के मुताबिक सभी पीड़ित पार्क में टहल रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर कमेंट किए। युवती और उसके दोस्तों ने इसका विरोध किया। इस पर उन लोगों ने युवती और उसके साथियों पर हमला कर दिया। हमले में युवती घायल हो गई। इस घटना से नाराज मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने एक्स पर पोस्ट के जरिए दिल्ली पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएम संगना की पोस्ट पर दिल्ली पुलिस ने घटना की निंदा करते हुए लिखा- आरोपियों की पहचान की जा रही है, उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों को तैनात की हैं। मेघालय सीएम संगना ने लिखा कि यह नस्लीय तौर पर डराने-धमकाने वाली घटना है। मुझे मेनलैंड इंडिया में नॉर्थ ईस्ट के लोगों पर बार-बार हो रहे हमलों से नाराजगी है। इसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

अरुणाचल के जंगलों में लगी भीषण आग पर काबू पाने वायुसेना ने संभाला मोर्चा

-शक्तिशाली हेलिकॉप्टर एमआई-17 वी5 से 66,000 लीटर पानी बरसाया

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित मेबो और सिगर के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। मंगलवार को वायुसेना ने एक अभियान चलाते हुए अपने शक्तिशाली हेलिकॉप्टर को तैनात किया, जिसने कई उड़ानों के जरिए रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती आग की लपटों पर काबू पाया। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए एक तेज़ और दमदार फायरफाइटिंग मिशन शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है, जिसने आस-पास की बस्तियों को बचाने के लिए कई सॉर्टीज़ में 66,000 लीटर पानी छोड़ा। एक्स पर पोस्ट में आईएएफ ने आग और हवाई फायरफाइटिंग मिशन की शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में लिखा- अरुणाचल प्रदेश में तेज़ रिस्पॉन्स और ऑपरेशनल सटीकता दिखाई, पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल की बड़ी आग पर काबू पाने के लिए एक एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया है। यह पहली बार नहीं है जब आईएएफ ने इस साल इस इलाके में जंगल की बड़ी आग में दखल दिया है। 18 फरवरी को आईएएफ के हेलिकॉप्टरों ने नॉर्थ-ईस्ट के मुश्किल इलाकों में लगी दो बड़ी जंगल की आग पर काबू पाया था। अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में, फोर्स ने हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल करके 139,800 लीटर पानी गिराया, जिससे एक बड़ी आग पर काबू पाया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी आग बुझाने की ड्यूटी के साथ-साथ आईएएफ इंडियन आर्मी के साथ कोऑर्डिनेशन को मजबूत करना जारी रखे हुए है। 8 मार्च को दोनों फोर्स ने उत्तराखंड में टिहरी झील के ऊपर एक जॉइंट एक्सरसाइज की। इस ड्रिल में कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स शामिल थे। एक और पोस्ट में आईएएफ ने कहा कि 8 मार्च को एयरक्राफ्ट ने इंडियन आर्मी के साथ एक जॉइंट एक्सरसाइज में टिहरी झील के ऊपर कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स किए। इस एक्सरसाइज ने आसान इंटर-सर्विस सिनर्जी और ऑपरेशनल कैपेबिलिटी दिखाई।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त नसीहत: केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफशिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में अजीबोगरीब मांगें की गई थीं, जिनमें से एक में यह वैज्ञानिक अध्ययन कराने का आग्रह था कि क्या प्याज और लहसुन में तामसिक या नकारात्मक ऊर्जा होती है। अन्य याचिकाओं में शराब और तंबाकू उत्पादों की सामग्री पर नियंत्रण, संपत्तियों का अनिवार्य पंजीकरण और शास्त्रीय भाषाओं की घोषणा के लिए दिशा-निर्देशों की मांग की गई थी। न्यायालय ने इन सभी याचिकाओं को कानूनी आधार पर शून्य माना और स्पष्ट किया कि जनहित याचिकाओं का दुरुपयोग न्यायपालिका की गंभीरता को कम करता है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में केंद्र से मांगा रिकॉर्ड, अगली सुनवाई 19 को

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्ड पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में केंद्र सरकार से संबंधित केस फाइल तलब की है। यह याचिका निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज कराने से इनकार किए जाने के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई है। याचिका पर करीब डेढ़ घंटे तक विस्तृत बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय स्थायी अधिवक्ता राज कुमार सिंह को भी तलब किया और मामले से जुड़ी मामले से जुड़ी ताजा कार्रवाई की जानकारी मांगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने 28 जनवरी 2026 को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती दी है। उस आदेश में अदालत ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग ठुकरा दी थी। विशेष अदालत ने कहा था कि नागरिकता के सवाल पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है। याची ने राहुल पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। यह शिकायत पहले रायबरेली की विशेष एमपी/एमएलए अदालत में दायर की गई थी। बाद में शिकायतकर्ता की अर्जी पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने 17 दिसंबर 2025 को मामला रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की विशेष अदालत ने 28 जनवरी को याचिका खारिज कर दी। इसके बाद याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

अपने पूरे परिवार के साथ पीएम मोदी से मिली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

-प्रधानमंत्री मोदी और पोते विनायक के बीच मुलाकात रही खास

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनका परिवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचा। इस दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके परिवार के सदस्य भी

मौजूद थे। यह मुलाकात शिष्टाचार की रूप में देखी जा रही है, लेकिन मरुधार के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चाएँ शुरू हो गई हैं।

मुलाकात के दौरान विशेष ध्यान विनायक प्रताप सिंह पर गया, जो अपनी दादी की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की संभावनाओं के कारण चर्चा में हैं। विनायक ने 2023 में पहली बार मतदान किया था और कुछ चुनावी कार्यक्रमों में भी दिखाई दिए थे। उनकी फिटनेस के प्रति सजगता और यूट्यूब चैनल पर फिटनेस वीडियो साझा करने के कारण युवा वर्ग में उनकी लोकप्रियता है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और विनायक के बीच मुलाकात में खास बातचीत देखी गई, जिससे यह अटकलें लग रही हैं कि विनायक राजनीति में जल्द ही कदम रख सकते हैं। वर्तमान में वह दिल्ली से कानून की पढ़ाई कर रहे हैं और जिमिंग व ओपन एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान देते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विनायक की पृष्ठभूमि और युवा छवि उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद कर सकती है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह मुलाकात वसुंधरा राजे और उनके परिवार के भविष्य की रणनीतियों का हिस्सा हो सकती है। फिटनेस और कानून की पढ़ाई के साथ विनायक अपनी दादी की विरासत को आधुनिक अंदाज में आगे बढ़ा सकते हैं। मुलाकात के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं, जिससे जनता और समर्थकों में उत्सुकता बढ़ी है। इस तरह, यह मुलाकात सिर्फ औपचारिक नहीं बल्कि भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं का संकेत भी मानी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का बचाव कर शाह ने गोगाई को सुना दिया... इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू होते ही, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधकर कहा कि उन्हें उस केंद्रीय मंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। यह गोगोई के संबोधन के दौरान रिजिजू के उस बयान के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी सांसदों ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया और मैं इसका जबाव दूंगा।

इसके बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि भविष्य में जब संसदीय अभिलेखों और प्रतिलेखों का अध्ययन होगा, तब आंकड़े बताएंगे कि रिजिजू ही वे संसदीय कार्य मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित

किया। इस पर रिजिजू का बचाव कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस तरह की बाधाएँ तभी आवश्यक होती हैं जब कोई संसदीय नियमों का पालन नहीं करता है, और उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का उदाहरण दिया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैं सहमत हूँ, संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू जी ने सबसे ज़्यादा व्यवधान डाला है। लेकिन हम लोगों ने इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा। जिसका मतलब था कि व्यवधान विपक्ष द्वारा सदन के नियमों का बार-बार उल्लंघन करने के कारण थे। अपने संबोधन में, गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा के लिए लाया गया है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए। निचले सदन को संबोधित कर गोगोई ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा करने की जिम्मेदारी के रूप में लाया गया है, न कि व्यक्तिगत रूप से ओम बिरला के खिलाफ।

केंद्र सरकार चला रही 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर प्रोजेक्ट, राजस्थान में सर्वाधिक 4

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश भर में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर परियोजनाएँ चला रही है। ये परियोजनाएँ 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हैं। इनमें सर्वाधिक 4 राजस्थान में हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन 54 परियोजनाओं में सबसे अधिक चार परियोजनाएँ राजस्थान में हैं, जो राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के केंद्र के प्रयासों को दर्शाती हैं। यह योजना न केवल तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर केंद्रित है, बल्कि मंदिरों और उनके आसपास के बुनियादी ढांचे को भी सशक्त करने का लक्ष्य रखती है।

केंद्र सरकार के अनुसार, यह पहल देश के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से विकसित करने के लिए अहम कदम है। योजना के अंतर्गत कॉरिडोर के पास यात्रियों के लिए सुविधाएं, मार्गदर्शन और संरचनात्मक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। इस प्रकार, 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इन परियोजनाओं के माध्यम से देशभर में धार्मिक स्थलों की अहमियत और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

वीएसआर के मालिक को दुर्घटना के तुरंत बाद कैसे पता चला पायलट की गलती थी?

एनसीपी(एसपी) के विधायक रोहित पवार ने वी के सिंह के बयान पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और चार अन्य लोगों की विमान दुर्घटना में हुई मौत की जांच अब एक नए विवाद का केंद्र बन गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने इस मामले में विमानन कंपनी वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी के सिंह की भूमिका और उनके बयानों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीआईडी ने हाल ही में वीएसआर वेंचर्स के मालिक से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंह ने इस दुर्घटना के लिए पायलट को जिम्मेदार बताया। इसी दावे पर रोहित ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीआईडी के एक ??अधिकारी ने कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा था कि सीआईडी ने पिछले सप्ताह वी के सिंह से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सीआईडी ??ने सिंह से पूछताछ के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। वीएसआर वेंचर्स द्वारा

संचालित एक लीयरजेट 45 विमान 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

मीडिया के एक वर्ग ने सीआईडी को दिए सिंह के बयान का जिक्र किया था। रोहित पवार ने मीडिया के एक वर्ग में आए सिंह के इस बयान का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्लैक बॉक्स में वास्तव में क्या रिकॉर्ड हुआ था, यह अब तक सामने नहीं आया है। अगर ऐसा है, तो वीएसआर कंपनी के मालिक को दुर्घटना के कुछ ही समय बाद कैसे पता चला कि यह पायलट की गलती थी? वह खुद को इससे दूर रखते हुए दोष किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित ने बताया कि कभी रिपोर्ट में कहा जाता है कि विमान का 'ब्लैक बॉक्स' जल गया है, जबकि कभी दावा किया जाता है कि डेटा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां ??इस मामले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद सीआईडी ने वी के सिंह से हुई पूछताछ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रोहित का मानना है कि इस चुप्पी से जनता के मन में संदेह पैदा हो रहा है। यह मामला अब एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। क्या ब्लैक बॉक्स का सच कभी सामने आएगा या यह फाइलों में ही दफन हो जाएगा?

एलपीजी संकट पर केजरीवाल का पीएम मोदी पर तंज... अपनी कुछ मजबूरियों के कारण ट्रंप के सामने झुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में संभावित एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कुछ मजबूरियों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुक रहे हैं और इसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता पैदा हो गई है, इससे तेल और गैस बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच केजरीवाल ने दावा किया कि देशभर में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रोकी गई है। उनके अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर अन्य सभी कारोबारी प्रतिष्ठानों को फिलहाल एलपीजी गैस नहीं दी जा रही है और गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि आने वाले दिनों में गैस और तेल

की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

दरअसल, यह बयान उस समय आया जब पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दे दिया है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और वैश्विक आपूर्ति में बाधा को देखकर देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। इसलिए अतिरिक्त एलपीजी उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए निर्देशित किया गया है। मंत्रालय ने यह भी घोषणा की कि मौजूदा आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने और जमाखोरी तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिनों की इंटर-बुकिंग अवधि लागू की गई है। मोदी सरकार ने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने तथा प्रमुख हाइड्रोकार्बन स्रोतों को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है। मोदी सरकार का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य आम नागरिकों को रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और संकट के समय ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखना है। वहीं विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सवाल उठा रहा है।

राजस्थान में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की घटा रहा उम्र, साल में 20 दिन ही मिल रही शुद्ध हवा

-रिपोर्ट में खुलासा जहरीली हवा में खतरनाक कण मौजूद, शरीर को पहुंच रहा नुकसान

श्रीनगर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण प्रदेशवासियों की औसत उम्र घटा रहा है। जयपुर में तो साल में 20 दिन ही शुद्ध हवा लोगों को मिल रही है। जहरीली हवा में मौजूद बारीक कण सिर्फ फेफड़े ही नहीं दिमाग की नसों तक पहुंच रहे हैं। किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ रहा है। एक ताजा रिपोर्ट में यह चौंकान वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि जयपुर का हर नागरिक अपनी औसत उम्र के 3 साल 10 महीने और 24 दिन सिर्फ जहरीली हवा के कारण कम कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट ने 25 फरवरी 2026 को 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरमेंट-2026' नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी। प्रदेश के लिए वर्ष 2021 से 2025 के बीच प्रदूषण स्तर एक्यूआई के आंकड़े जुटाए गए फिर प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों की मात्रा के आधार पर आंकलन किया गया कि ये उम्र पर कितना असर डाल रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आया कि जहरीली हवा में इतने खतरनाक कण मौजूद हैं, जो सांस से हमारे शरीर में जा रहे हैं। इससे प्रदेश के हर व्यक्ति की उम्र औसतन घट रही है।

प्रदेश की अनुमानित आबादी 8 करोड़ है। सबसे ज्यादा आबादी जयपुर की है। जयपुर में रहने वाले लोग औसत से भी 7 महीने ज्यादा उम्र खो रहे हैं। आंकड़े के मुताबिक 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च 2025 के बीच कुल 1,550 दिनों में से करीब 450 दिन एक्यूआई खराब से बहुत खराब श्रेणी में रहा। इसका मतलब यह है कि जयपुर का हर तीसरा दिन प्रदूषण के उस खतरनाक स्तर पर पहुंचा, जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने पर सांस और हार्ट संबंधी रोग हो सकते हैं। इसके विपरीत पूरे साढ़े चार साल में केवल 81 दिन ही ऐसे थे, जब लोगों को अच्छी हवा मिली यानी जयपुर वालों को साल में औसत रूप से 20 दिन भी पूरी तरह शुद्ध हवा नसीब नहीं हुई।

रिपोर्ट से पता चलता है कि जहरीली हवा आपके शरीर के हर हिस्से को छलनी कर रही है। हवा में मौजूद बारीक कण खून के जरिए दिमाग तक पहुंच रहे हैं। इससे ब्रेन फॉग, चिड़चिड़ापन और नींद की कमी हो रही है। लंबे समय में यह अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियों का रिस्क बढ़ा रही है। प्रदूषित हवा के कारण बच्चों में एनीमिया यानी खून की कमी और जन्म के समय कम वजन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह हवा किडनी की कार्य क्षमता को बिगाड़ रही है और डायबिटीज का खतरा बढ़ा रही हैं।

जयपुर के अस्थमा रोग विशेषज्ञ बताते हैं- वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा की समस्याओं वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके कारण सांस लेने में दिक्कत, ब्रेन फॉग, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या से जूझ रहे मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा का असर बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा हो रहा है। बच्चों में एनीमिया, फेफड़ों का कमजोर विकास और कम वजन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जबकि वयस्कों में किडनी से जुड़ी परेशानी, डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता देखा जा रहा है।

डॉक्टर के मुताबिक जिन क्षेत्रों में प्रदूषण ज्यादा है, वहां रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें, पौष्टिक भोजन लेना चाहिए ताकि शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि प्रदूषण का असर इन पर ज्यादा तेजी से होता है।

तेज रफ्तार मिट्टी लदा ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक महिला की मौत, बाइक चालक घायल

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण पियारपुर पंचायत अंतर्गत नासघाट चिमनी भट्टा के समीप मंगलवार की दोपहर तेज रफ्तार मिट्टी लदा ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक महिला हविलान बीबी (50) वर्ष की मौत हो गई। जबकि बाइक चालक उनका नाती आरिफ शेख (30) वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार दक्षिण पियारपुर निवासी आरिफ शेख (30) वर्ष अपनी नानी हविलान बीबी (50) वर्ष को बाइक से किसी काम से उधवा ले जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे मिट्टी लदे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने मानवीय पहल दिखाते हुए दोनों घायलों को तुरंत सड़क से उठाया और इलाज के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। राजमहल अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टर सौरभ कुमार ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार दोनों को इलाज के लिए भागलपुर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बोरियो के पास हविलान बीबी की हालत बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं आरिफ शेख का इलाज अभी जारी है और उन्हें आगे के उपचार के लिए रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद राधानगर थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

उपायुक्त ने आम लोगो की समस्या सुन किया समाधान

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में मंगलवार को उपायुक्त हेमंत सती ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने एनबीडब्ल्यू वारंटी को किया गिरफ्तार

तालझारी(बिभा) । तालझारी पुलिस ने न्यायालय से जारी एनबीडब्ल्यू के आधार पर एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने दिया। उन्होंने बताया कि न्यायालय से जारी एनबीडब्ल्यू के वारंटी जीआर संख्या 437/25 के वारंटी मस्कलैया निवासी मनोज स्वर्णकार पिता रधू स्वर्णकार को छापेमारी कर उसके घर से पकड़ लिया गया। कहा गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए वारंटी को को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने दिखाया जलवा

उधवा (बिभा)। उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पीएम श्री उच्च विद्यालय आतापुर में मंगलवार को एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाध्यापक हिकिम मुंडा, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्यजीत सरकार, सीआरपी अशोक पाल तथा आतापुर पंचायत के उप मुखिया ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात मंच में सर्वधर्म प्रार्थना (तु ही राम है...) हुई जिसे मंच में उपस्थित सभी के द्वारा गाया गया। सर्वप्रथम आतापुर के मशहुर गायक अरुण कुमार द्वारा बहुत सुंदर गीत प्रस्तुत किया। बच्चों ने झारखंड के पारम्परिक आदिवासी नृत्य के द्वारा लोगों को झारखंड की संस्कृति से अवगत कराया। मौके पर प्रधानाध्यापक हिकिम मुंडा ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को हमारी परंपरा और संस्कृति से अवगत होने का मौका मिलता है। ऐसे आयोजन से प्रतिभाशाली छात्रों को अपने अंदर की कला को प्रदर्शित करने का मौका मिलता है। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को विद्यालय परिवार की ओर से पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक मैनुल हुसैन, मो. साबीर अली विश्वास, श्रीलाल टुडू, प्रफुल्ल कुमार चंदन, विमल साहा, रफीकुल आलम, फिरदौस गणि कासमी का अहम योगदान रहा।

राजमहल में सफाई कर्मियों की हड़ताल, 14 वार्डों में सफाई व्यवस्था ठप

राजमहल (बिभा)। राजमहल नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों के वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर चले जाने से शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। पिछले दो दिनों से काम बंद होने के कारण वार्ड संख्या 1 से 14 तक कचरा उठाव और साफ - सफाई पूरी तरह बाधित है। वही हड़ताल के कारण शहर के विभिन्न मोहल्लों और सड़कों के किनारे कचरे के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। इससे आम नागरिकों को गंदगी और बदबू की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सफाई न होने से बीमारियों का खतरा बढ़ गया है और आवागमन में भी दिक्कत हो रही है। वही हड़ताली सफाई कर्मियों ने बताया कि वे लंबे समय से वेतन में उचित वृद्धि की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। मजबूर होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। वहीं, नगर पंचायत के सिटी मैनेजर जितेश चौधरी ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि कर्मचारी पिछले दो दिनों से वेतन वृद्धि की मांग को लेकर काम पर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन स्थिति से अवगत है और कर्मचारियों से बातचीत कर जल्द से जल्द समस्या का समाधान निकाल लिया जाएगा। उनका प्रयास है कि शहर की सफाई व्यवस्था को शीघ्र बहाल किया जाए।

कक्षा 1 से 7 तक के छात्रों के वार्षिक योगात्मक मूल्यांकन को लेकर शिक्षकों के बीच किया प्रश्न पत्र वितरित

तालझारी (बिभा)। तालझारी प्रखंड के सरकारी विद्यालय के एक से सात कक्षा तक में नामांकित छात्रों की वार्षिक योगात्मक मूल्यांकन एस ए टू 2025 - 26 परीक्षा 11 से 14 मार्च को दो पाली में परीक्षा आयोजित होगी। जिसको लेकर मंगलवार को तालझारी प्रखंड के सभी संकूल से प्रश्न पत्र का वितरण सभी विद्यालय के प्रधान शिक्षक के बीच किया गया। वहीं बीआरपी राजेंद्र मंडल ने कहा कि झारखंड शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निर्देश पर पहली एवं दुसरी कक्षा के छात्रो की मौखिक परीक्षा होगी, जबकि तीसरी से सातवीं कक्षा तक मे वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगे। वहीं प्रथम दिन अंग्रेजी एवं समाजिक विज्ञान का परीक्षा लिया जायेगा।

अज्ञात नकाबपोश चोरों ने बजाज शोरूम व डिलीवरी ऑफिस का ग्रील तोड़ लाखों की नगदी व समान लेकर हुए फरार

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । तीनपहाड़ बजार स्थित डेलहाईवेरी कोरियर सर्विस सेंटर व बजाज शोरूम से अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए की चोरी कर फरार हो गये। मिली जानकारी तीनपहाड़ बैंक मोड़ के समीप जीएम बजाज बाइक शोरूम व डिलेवरी कोरियर सर्विस सेंटर में बीती सोमवार की रात्रि को अज्ञात चोरों ने दोनों को निशाना बनाते हुए करीब ढाई लाख रुपए लेकर फरार हो गया है। बताया जा रहा कि जीएम बजाज बाइक शोरूम और डिलीवरी कोरियर सर्विस सेंटर का कार्यालय प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी दोनों के क्रमी द्वारा सोमवार कि शाम को बंद कर घर चला गया था। इसी दौरान तीन नकाब पोश अज्ञात चोरो द्वारा रात्रि करीब 01:30 से 02: 30 के बीच सबसे पहले डिलीवरी कोरियर सर्विस के खिड़की के लोहे का बना ग्रिल को कटर से काट कर अंदर प्रवेश किया और वहाँ लिनेवो कंपनी का दो लैपटॉप और गोदरेज के अलमीरा को तोड़ कर लगभग एक लाख रुपया निकाल लिया। इसके बाद तीनों ने जीएम बजाज बाइक शोरूम के पीछे का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया लेकिन वह नही टूट पाया तब पीछे के दरवाजे के ऊपर लग लोहे के ग्रिल को कटर से काट कर शोरूम में प्रवेश किया और वहां से लगभग 87 हजार रुपया निकाल लिया और वहां से फरार हो गया। वहीं जब डिलीवरी कोरिया सर्विस सेंटर के क्रमी सुबह सेंटर को खोला तो देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा है। तब कर्मी की नजर टेबल से गायब लैपटॉप पर पड़ी इसके बाद देखा कि अलमीरा भी टुटा हुआ है। जिसके बाद इसकी जानकारी तीनपहाड़ थाना को दिया गया। इधर सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुँच का जांच किया। वही डेलहाईवेरी के बगल के बजाज शो रूम के मालिक शारिक रब्बानी ने बताया कि मंगलवार की सुबह मकान मालिकबने पीछे के वेल्टीनेटर ग्रिल तोड़े होने और बगल में चोरी होने की सूचना दिया वही जब अपने शो रूम में शटर खोल दाखिल हुआ तो पाया कि दराज में रखे पांच टी शर्ट किस्ती का बीच किनी का 81हजार रुपए गायब है इस घटना की सूचना पुलिस को दिया गया जिसपर पुलिस मौके पर पहुच छानबीन में जुटी थी।वही इन दोनों घटना की फुटेज आफिस और शो रूम में लगे सीसी टीवी कैमरे में कैद होगयी हैं जिसमे तीन नकाब पॉश चोर डेलहाईवेरी आफिस और बजाज शोरूम में ग्रील तोड़ कर अंदर घुस चोरी करते देखे जारहे हैं। वहीं थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने कहा कि मामले की जांच किया जा रहा है चोरी हुए दोनों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी कि गिरफ्तारी हेतु पुलिस छापेमारी कर रही है।

गंगा के संरक्षण व संवर्धन को लेकर एनजीटी में सुनवाई आज

मामला गंगा से स्टोन बोल्डर के परिवहन का मामला

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर द्वारा साहेबगंज जिले से गुजरनें वाली गंगा व जलीय जीव जंतू व संरक्षित डाल्फिन के संरक्षण व संवर्धन हेतू व गंगा के आस-पास व गंगा नदी से स्टोन बोल्डर, चिप्स, मेटल के परिवहन व भंडारण के रोकथाम हेतु व गंगा नदी को प्रदुषण से बचाने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, ईस्टर्न जोन, कोलकाता में दायर याचिका संख्या-162/23 की सुनवाई एनजीटी के जस्टिस अरूण कुमार त्यागी व एनजीटी के एक्सपर्ट मेंबर डॉ.ए.संथील वेल आज दिन के 10.30 बजे से करेगें। कहा 14 महीने पर जेल से बाहर आने के बाद अरशद सुनवाई में भाग लेने के लिए कोलकाता पहुँच गए हैं। कहा इस मामले में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली के निदेशक, झारखंड के खान सचिव व निदेशक, झारखंड प्रदुषण के सदस्य सचिव व जिले के डीसी, डीएमओ व डीटीओ व जीके एंटरप्राइजेज कंपनी, मालदा, मां तारा एंटरप्राइजेज कंस्ट्रक्शन कंपनी, मुजफ्फरपुर को काउंटर एफिडेविट व स्थलीय जांच रिपोर्ट दाखिल करना है। आज की सुनवाई पर पत्थर माफियाओं से लेकर पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी की नजर बनी हुई।

विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारी, बीएलओ व सुपरवाइजर के साथ बैठक

साहेबगंज । विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ एवं सुपरवाइजर के साथ मंगलवार को प्रखंड सभागार में बैठक किया गया। वहीं बैठक की अध्यक्षता जेपीएस परमेश्वर किस्कू ने किया। वहीं बैठक में मुख्य रूप से एनेक्सचर वन के तहत प्रखंड अंतर्गत सभी पुराने और नए नियुक्त बीएलओ को एसआईआर से पूर्व सभी आवश्यक तैयारी कर गहन पुनरीक्षण के दौरान जांच कर स्टिकर चिपका कर मोहर लगाना है। मौके पर राजा राम महतो, संगीता कुमारी सहित सभी बीएलओ उपस्थिति थे।

साहेबगंज महाविद्यालय की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण अनिवार्य : विधायक

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न के तहत साहेबगंज महाविद्यालय साहेबगंज के क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवॉल यास तूफान के दौरान क्षतिग्रस्त होने एवं बाउंड्री वॉल नहीं होने के कारण महाविद्यालय परिसर असुरक्षित होने व असामाजिक तत्वों के प्रवेश को लेकर मामला सदन में उठाए हैं। इस दौरान उन्होंने सदन को अवगत कराया है कि साहेबगंज महाविद्यालय साहेबगंज जिला के लिए एक विशेष गौरव का प्रतीक है और उच्च स्तरीय शिक्षा का संस्थान केंद्र बिंदु है इसलिए यहां की सुरक्षा अनिवार्य है। साथ ही विधायक के प्रश्न पर झारखंड सरकार उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने उत्तर देते हुए कहा है कि झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड रांची के माध्यम से बाउंड्री वॉल निर्माण का भौतिक निरीक्षण करते हुए डीपीआर यथाशीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिस पर प्राथमिकता के आधार पर प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करते हुए बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाएगा।

केंद्रीय ऑडिट टीम ने बाबूपुर पंचायत का किया निरीक्षण, मनरेगा योजनाओं की जांच

बिभा संवाददाता

राजमहल । केंद्रीय विशेष लेखा परीक्षा (ऑडिट) टीम ने मंगलवार को राजमहल प्रखंड की पंचायत बाबूपुर का दौरा किया। ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली की इस टीम ने पंचायत सचिवालय पहुंचकर मनरेगा योजनाओं से जुड़े अभिलेखों का अवलोकन किया और विभिन्न योजनाओं के स्थलों का भौतिक सत्यापन किया। वही प्रखंड कार्यालय से पहुंची बीपीओ श्वेता व गगन बापू ने पंचायत सचिवालय में टीम का स्वागत किया। टीम लीडर गीता राम के नेतृत्व में आई तीन सदस्यीय टीम में पवन कुमार और अबू अब्राहम शामिल थे। टीम ने बारीकी से योजनाओं का निरीक्षण करते हुए कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लिया। साथ ही इस दौरान सहायक अभियंता विकास चौधरी, कनीय अभियंता मो. एहसानुल जमील, अर्जुन कुमार साह और दीपनारायण मंडल सहित कई तकनीकी पदाधिकारी मौजूद थे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों में मुखिया प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह भी टीम के साथ रहे। वहीं, पंचायत सचिव ललन किस्कू और रोजगार सेवक मोतीलाल तिग्गा ने टीम को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने और योजनाओं की जानकारी देने में सहयोग किया। वही निरीक्षण के दौरान टीम ने संतुष्टि जताई और आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए। इस अवसर पर पंचायत के अन्य कर्मी और ग्रामीण भी उपस्थित थे।

रांची में अब कोहरे में भी सुरक्षित उतरेगा विमान?

बिभा संवाददाता

रांची : बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची पर विमान संचालन को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने के लिए हवाई अड्डे के संचार, नेविगेशन एवं सर्विलांस (सीएनएस) विभाग द्वारा आईएलएस (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) और DVOR (Doppler VHF Omnidirectional Range) की सफल फ्लाइट कैलिब्रेशन की गई। इस पूरे कार्य की निगरानी अनिल कुमार कश्यप, संयुक्त महाप्रबंधक द्वारा की गई।
कैलिब्रेशन के दौरान हवा में उड़ान के दौरान होने वाली जांच (In-Air Calibration) का नेतृत्व नवीन डूडी, एजीएम ने किया, जबकि जमीन पर तकनीकी टीम का नेतृत्व प्रभात कुमार, एजीएम द्वारा किया गया। दोनों टीमों के समन्वय से यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हुई।
आईएलएस (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) एक ऐसी तकनीक है जो खराब मौसम या कम दृश्यता के समय भी विमान को सही दिशा में रनवे तक लाने और सुरक्षित उतरने में पायलट की मदद करती है। वहीं DVOR विमान को हवाई अड्डे की सही दिशा बताने का काम करता है, जिससे पायलट अपनी उड़ान का रास्ता ठीक तरह से तय कर पाते हैं। इन उपकरणों की समय-समय पर जांच (कैलिब्रेशन) करना जरूरी होता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये सही और सटीक संकेत दे रहे हैं। इसके लिए एक विशेष विमान का उपयोग किया जाता है, जिसमें उन्नत जांच उपकरण लगे होते हैं। यह विमान हवाई अड्डे के ऊपर और आसपास अलग-अलग ऊंचाई और दिशा में उड़ान भरकर इन प्रणालियों के सिग्नलों की सटीकता की जांच करता है। साथ ही जमीन पर मौजूद उपकरणों की भी जांच की जाती है।
इस प्रक्रिया में फ्लाइट इंस्पेक्शन यूनिट की अहम भूमिका होती है। यह इकाई देशभर के हवाई अड्डों पर लगे नेविगेशन उपकरणों की उड़ान के माध्यम से जांच करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार ठीक से काम कर रहे हैं। यह पूरा कार्य भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सीएनएस विभाग द्वारा किया जाता है, जिसमें मुख्य रूप से प्रशिक्षित इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर शामिल होते हैं। इन विशेषज्ञों की मेहनत से यह सुनिश्चित किया जाता है कि हवाई अड्डे पर आने-जाने वाले विमानों का संचालन सुरक्षित और भरोसेमंद बना रहे।

मेयर और वार्ड पार्षद 18 को करेंगे शपथ ग्रहण

धनबाद। नगरपालिका चुनाव में धनबाद नगर निगम के मेयर और वार्ड पार्षद एवं चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष तथा वार्ड पार्षद 18 मार्च को शपथ ग्रहण करेंगे। इसकी जानकारी देते हुए मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर और वार्ड पार्षदों के साथ 18 मार्च को पूर्वाह्न में समाहरणालय के प्रथम तल पर स्थित सभाकक्ष एवं चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष तथा वार्ड पार्षद के लिए समाहरणालय के तृतीय तल पर स्थित कमरा नंबर 314 में बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद उन्हें शपथ दिलाई जाएगी।

हथियार लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

दुमका। बस स्टैंड में मंगलवार को हथियार लेकर घूम रहे युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मसलिया निवासी मंगल किस्कू से नगर थाना में पूछताछ चल रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि उसके पास तमंचा कहां से आया है। सुबह मंगल झोले में तमंचा लेकर घूम रहा था, तभी स्टैंड के लोगों ने उसकी संदिग्ध स्थिति देख पकड़ लिया। उसके झोले की तलाशी ली तो उसमें जंग लगा हुआ तमंचा और एक जिंदा गोली मिली। स्थानीय लोगों से सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपित युवक ने बताया कि उसने एक युवक से 50 रुपये में देशी कट्टा खरीदा है। वह किसी को मारने के लिए लेकर नहीं आया था। केवल दिखावे के लिए लेकर आया था। उसकी बातों से काफी हद तक सही प्रतीत हो रहा था। क्योंकि हथियार से इतनी जंग लगी हुई थी कि फायर होना असंभव था। पुलिस का कहना है कि आरोपित की हर बात का सत्यापन करने का प्रयास किया जा रहा है। उन लोगों की तलाश की जा रही है। जिनसे वह हथियार खरीदने की बात कह रहा है। युवक का कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। उसके पास से हथियार मिला है, इसलिए आर्म्स एक्ट में जेल भेज दिया जाएगा।

पूर्व मध्य रेल
खुली ई–नीलामी
धनबाद, दिनांक 09.03.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), पूर्व मध्य धनबाद, अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से IREPS पोर्टल पर ओपन ई–नीलामी आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार हैं :–
क्र.सं. : i : **(1), ई–नीलामी सूची** : ii : पार्किंग, **ई–नीलामी सूची सं.** : iii : पार्किंग–76–26, **ई–नीलामी प्रारंभ होने का निर्धारित दिन और समय का विवरण** : iv : 23.03.2026, 15:00 बजे से, **कार्य का विवरण एवं स्टेशन का नाम** : v : नीचीतपुर स्टेशन पर 03 वर्षों के लिए, 02 व्हीलर, 03 व्हीलर एवं 04 व्हीलर का पार्किंग स्टैंड।
क्र.सं. : i : **(2), ई–नीलामी सूची** : ii : प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीन, **ई–नीलामी सूची सं.** : iii : पीबीसीएम–10–26, **ई–नीलामी प्रारंभ होने का निर्धारित दिन और समय का विवरण** : iv : 23.03.2026, 15:30 बजे से, **कार्य का विवरण एवं स्टेशन का नाम** : v : धनबाद, कोडरमा, डाल्टनगंज, बरकाकाना, गोमोह, गढ़वा रोड और चन्द्रपुरा (07) रेलवे स्टेशनों पर 02 प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना, संचालन और रखरखाव पांच (05) वर्षों की अवधि के लिए।
सभी संभावित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे पूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें और उपर्युक्त ई–नीलामी में कॉलम संख्या iv में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार भाग लें। रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
स.वा.प्र., पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/1908/डीएचएन/वा./इएएन/25–26/40

टी20 विश्व कप : 131 करोड़ से भी खुश नहीं भारतीय क्रिकेटर, कहा- इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद Board of Control for Cricket in India (BCCI) ने भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। हालांकि इस बड़ी घोषणा के बावजूद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए इनाम की राशि और अधिक होनी चाहिए थी।

बीसीसीआई ने किया 131 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए कुल 131 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। भारतीय क्रिकेट में यह इनाम हाल के वर्षों में घोषित की गई सबसे बड़ी रकमों में से एक माना जा रहा है। बोर्ड ने यह फैसला टीम के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए लिया। इस जीत ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि भारतीय क्रिकेट की ताकत को भी एक बार फिर दुनिया के सामने साबित किया।

हरभजन सिंह को थी और ज्यादा उम्मीद

इनामी राशि की घोषणा के बाद पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए उन्हें इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी। हरभजन का मानना है कि जब कोई टीम इतने बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करती है और इतिहास रचती है, तो उसे मिलने वाला पुरस्कार भी उसी स्तर का होना चाहिए।हालांकि उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की खुलकर तारीफ की और कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाकर दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय क्रिकेट कितनी मजबूत स्थिति में है।

भारत की ऐतिहासिक जीत

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद यादगार रहा। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम कई नए रिकॉर्ड बनाने में सफल रही। भारत अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके अलावा भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम भी बन गया।

तीसरी बार जीती टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी

इस जीत ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप

इतिहास की सबसे सफल टीमों में शामिल कर दिया। भारतीय टीम ने इससे पहले 2007 और 2024 में भी यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी। 2026 में मिली जीत के साथ भारत तीन बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गया। यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का विषय है और इससे टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

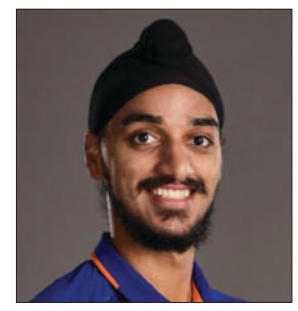

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

-एयरस्पेस की उपलब्धता के आधार पर हुआ फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए।

वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा।

सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है।

इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

अहमदाबाद । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है। पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है। पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है। वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है।

पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है। वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं। पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं। टीम कठिन फैसले भी लेती है।

कृष्णा नागर को राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में दोहरी सफलता

हैदराबाद । पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने मंगलवार को यहां सातवीं सीनियर राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप के एसएच 6 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। कृष्णा ने पुरुषों के एकल एसएच 6 फाइनल में सुदर्शन एमएस को 21-10, 21-19 से हराकर खिताब अपने नाम किया। कृष्णा ने इसके बाद मिश्रित एसए 6 वर्ग में नित्या श्री सुमति सिवन के साथ मिलकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक मेडल जीता। इस जोड़ी ने सुदर्शन एमएस और श्रेया कुमारी को 21-7, 21-11 से हराया। एसएच 6 पैरा बैडमिंटन में छोटे कद के खिलाड़ियों के लिए एक वर्ग है जो आमतौर पर बौनेपन जैसी स्थिति के कारण होता है।

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, युवराज दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम था। युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये है।

इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे। ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे। इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं। इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस सूची में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं, जिन्होंने 28 पारियों में 32 छक्के मध्यक्रम में लगाये हैं। वहीं सूर्यकुमार के नाम 31 छक्के हैं और वह चौथे नंबर पर हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने 28 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं।

महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर : भारत को सेमीफाइनल में जगह के लिए ड्रॉ की जरूरत

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूल चरण के अपने अंतिम मैच में बुधवार को यहां वेल्स के खिलाफ कम से कम ड्रॉ हासिल करने की कोशिश करनी होगी। भारत फिलहाल पूल बी में दो मैचों में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड के भी चार अंक हैं, लेकिन भारत का गोल अंतर बेहतर है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और भारत को अगर-मगर के बिना अंतिम चार में पहुंचने के लिए ड्रॉ या जीत की आवश्यकता होगी।

भारतीय टीम इस मुकाबले में अगर हार का सामना करती है तो उसके चार अंक ही रहेंगे और उसका क्वालीफिकेशन स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। भारतीय महिला टीम का अब तक का अभियान शानदार रहा है। उसने आठ मार्च को

उरुग्वे पर 4-0 की बड़ी जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की और फिर सोमवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2-2 से ड्रॉ खेला।

युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल दागे हैं और गोल करने के कई मौके बनाए हैं। भारतीय रक्षापंक्ति भी मजबूत रही है। गोलकीपर बिचु देवी ने लगातार महत्वपूर्ण बचाव किए हैं। हैदराबाद में अपने घरेलू दर्शकों के उत्साह से भरे माहौल में खेलने से मेजबान टीम को जबरदस्त ऊर्जा मिली है। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे अब तक टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दो मैचों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। युवा खिलाड़ी मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टीम बेहतरीन तरीके से खेल रही है और यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात है।' टेटे ने कहा, 'हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और चैंपियन बनना चाहते हैं। जब टीम एक साथ होती है तो हम इसी बारे में बात करते हैं और यही हमारा लक्ष्य है।'

वेल्स के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड शानदार है। भारत ने दोनों देशों के बीच छह मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। वेल्स हालांकि इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए कड़ी टक्कर देगा, इसलिए भारत को अति आत्मविश्वास से बचते हुए एकाग्रता के साथ खेलना होगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें इस साल के अंत में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड ऑस्ट्रिया से, इटली कोरिया से और स्कॉटलैंड उरुग्वे से भिड़ेगा।

चीनी ताइपे के खिलाफ हार के साथ भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम मंगलवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे से 1-3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय टीम को मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। मैच के बड़े हिस्से में हावी रहने और कई मौके बनाने के बावजूद भारतीय टीम को मौकों को भुनाने में नाकामी का खामियाजा भुगतना पड़ा और टीम पहली बार मेरिट के आधार पर इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के बाद जल्दी बाहर हो गई। भारत के लिए एकमात्र गोल मनीषा कल्याण ने 39वें मिनट में किया। इस विंगर ने लगभग 30 यार्ड की दूरी से दमदार शॉट लगाकर गोल दागा। चीनी ताइपे ने 12वें मिनट में बढ़त बनाई जब वाईएच सु ने गोल दागा। भारतीय गोलकीपर एलांगबाम पंथोई चानू विरोधी खिलाड़ी जेडब्ल्यू चेन को रोकने के लिए आगे बढ़ीं। चेन ने हालांकि चानू को छकाते हुए गेंद सु को दी जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया। भारत ने मनीषा के गोल से स्कोर बराबर किया लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले (45+नौवें मिनट) वाईवाई सू का शॉट पोस्ट के कोने से टकराया और फिर चानू टकराकर गोल में चला गया। यह तब हुआ जब प्यारी खाखा ने बॉक्स के अंदर गेंद को हाथ लगा दिया और रैफरी ने 'हैंडल्ड द बॉल' के लिए पेनल्टी किक दी। चीनी ताइपे के लिए 77वें मिनट में यू चिन चेन ने तीसरा गोल दाग। भारत इससे पहले वियतनाम और जापान से हार चुका था और टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंचने के लिए उसे चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल से हराना था और वियतनाम पर जापान की जीत की उम्मीद करनी थी। जापान ने वियतनाम को 4-0 से हराया।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है। हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये। हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया। हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं।

लक्ष्य सेन थोड़े निराश, लेकिन अब ध्यान चोट से उबरने और बड़े टूर्नामेंटों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में मिली शिकस्त से 'थोड़े निराश' भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया है कि आधुनिक पुरुष एकल मुकाबलों की बढ़ती शारीरिक मांगों के कारण उन्हें अपनी रिकवरी (चोट और थकान से उबरने की प्रक्रिया) और तैयारी की रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। लक्ष्य दूसरी बार ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे।

उन्होंने बर्मिंघम में शारीरिक तौर पर थका देने वाले सप्ताह के दौरान कई कड़े और अधिक समय वाले मुकाबले खेले। उन्हें फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से हार का सामना करना पड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'कुल मिलाकर यह सप्ताह अच्छा लेकिन भावनात्मक रहा। दूसरी बार फाइनल में पहुंचकर भी खिताब नहीं जीत पाना मैच के बाद थोड़ा निराशाजनक लगता है। पूरे टूर्नामेंट को देखें तो कुछ अच्छी जीत मिलीं, अच्छा अभियान रहा और जिस तरह मैंने मैच खेले, उससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए उम्मीदें बनी हैं।'

लक्ष्य ने इस सप्ताह कोर्ट पर पांच घंटे से अधिक समय बिताया। इसमें एक बेहद कठिन सेमीफाइनल भी शामिल था। इस मुकाबले में उन्हें गंभीर ऐंठन से जूझना पड़ा। इसके बाद फाइनल में उन्हें करीबी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने यह समझ और मजबूत की है कि टूर्नामेंट कार्यक्रम, रिकवरी और व्यवस्थित प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना जरूरी है।

इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'मैच और टूर्नामेंट अब बहुत ज्यादा शारीरिक हो गए हैं और उम्र के साथ भी फर्क पड़ता है। मेरा मतलब है कि अब मैं 20 साल का नहीं रहा कि उतनी तेजी से रिकवर कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा कि मेरी उम्र काफी बढ़ गयी है, लेकिन तैयारी, अगले मैचों के लिए रिकवरी और खासकर डाइट (आहार) को लेकर बदलाव करने पड़ते हैं। जब मैं 21-22 साल का था तो जो भी खाता था, उससे वजन नहीं बढ़ता था। लेकिन अब थोड़ा फर्क है और डाइट के प्रति ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है।'

लक्ष्य ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण 'वर्कलोड मैनेजमेंट (अभ्यास और टूर्नामेंट के चयन में सतर्कता)' भी बेहद अहम हो गया है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मुझे कंधे की कुछ चोटें भी लगीं, जिसका असर पड़ा। पहले मैं आक्रामक शॉट बेहतर खेल रहा था, लेकिन समय के साथ यह समझ आता है कि आप कितना जोर लगा सकते हैं, कितने मैच खेल सकते हैं और कब शरीर को आराम की जरूरत है।'

इस सत्र में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप और BWF विश्व चैंपियनशिप को प्रमुख आयोजन बताते हुए लक्ष्य ने कहा कि अब वह अपनी टीम के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड अभियान का विश्लेषण करेंगे। उन्होंने कहा, 'ये दोनों इस साल के बड़े टूर्नामेंट हैं जिनमें मैं खेलूंगा। मैं अपनी टीम के साथ बैठकर विस्तार से विश्लेषण करूंगा कि ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट कैसा रहा और पिछले कुछ महीनों में अभ्यास कार्यक्रम कैसा रहा।' लक्ष्य ने कहा, 'इसके बाद कोर्ट पर खास तौर पर अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश करूंगा और पूरे सत्र में फिट रहने पर ध्यान दूंगा क्योंकि आगे कई बड़े

टूर्नामेंट हैं।'

लक्ष्य ने मानसिक प्रशिक्षक मोन ब्रोकमैन को भी श्रेय दिया, जिनकी मदद से उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्किट के दबाव को बेहतर तरीके से समझने और संभालने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, 'करीब एक साल से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मानसिक प्रशिक्षण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। बड़े टूर्नामेंट में उतरने का नजरिया भी बदला है। बड़े टूर्नामेंट को अब अलग तरीके से देखता हूं, जबकि 500 या 300 स्तर के टूर्नामेंट अक्सर तैयारी का हिस्सा होते हैं।'

उन्होंने कहा कि वह अब हार को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं और कोर्ट पर जमकर मेहनत करते हैं। लक्ष्य ने कहा, 'मोन, कोच और मेरे पिता सभी मेरा समर्थन करते हैं और मुझे बेहतर बनने में मदद करते हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को देखा है, जहां हर सप्ताह आप जीतते या हारते हैं। कई बार टूर्नामेंट के अंत में लगातार हार भी मिलती है, लेकिन उसे दिल पर नहीं लेना चाहिए और हर मैच से सीखते रहना चाहिए।'

मौजूदा इंडियन वेल्स चैंपियन की शर्मनाक हरकत, हार के बाद तोड़ा रैकेट, दर्शकों पर भी चिल्लाई

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4-6, 6-7(5), 6-3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, 'मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।'

पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर अस्थायी रोक

- गैस की कमी का असर कई शहरों में भी देखने को मिला

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में रसोई गैस और कमर्शियल गैस की सप्लाई पर दिखाई देने लगा है। गैस निर्यात करने वाले देशों से आने वाली खेप में देरी हो रही है, जिसके कारण भारतीय बंदरगाहों पर गैस की डिलीवरी धीमी पड़ गई है। हालात को देखते हुए सरकार और सरकारी तेल कंपनियां फिलहाल घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसी के तहत पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इसमें 19 किलो, 47.5 किलो और 425 किलो के बड़े सिलेंडर शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों में किया जाता है। साथ ही गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राहक 25 दिन पूरे होने से पहले नया सिलेंडर बुक न करें। गैस की कमी का असर कुछ शहरों में भी देखने को मिला है। पुणे में गैस से चलने वाले शवदाह गृहों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है, क्योंकि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तनाव बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सैन्य अभियान जल्द समाप्त हो सकता है, लेकिन उन्होंने इसकी कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने ईरान

को चेतावनी दी कि अगर उसने स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आवाजाही रोकी तो अमेरिका कड़ी सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर ईरान के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम तभी संभव है जब देश पर आगे कोई हमला न हो। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार जारी हमलों में अब तक 1,255 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 200 बच्चे और 11 स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं।

एलपीजी की आपूर्ति बंद हुई तो 5 लाख रेस्टोरेंट्स हो सकते हैं बंद

नई दिल्ली ।

देश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर रेस्टोरेंट उद्योग ने चिंता जताई है। नेशनल रेस्टारेंट एसो शिएशन आफ इं डिया (एनआरएआई) ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कमर्शियल एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति बाधित होती है तो देशभर में बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट बंद होने की स्थिति पैदा हो सकती है। एनआरएआई ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में कहा है कि रेस्टोरेंट उद्योग अपने दैनिक संचालन के लिए कमर्शियल एलपीजी पर पूरी तरह निर्भर है। ऐसे में आपूर्ति रुकने से कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा और आम लोगों के लिए भोजन की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है।

कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को लेकर यह चिंता ऐसे समय सामने आई है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कुछ क्षेत्रों

में गैस आपूर्ति प्रभावित होने की खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कुछ सप्लायरों ने रेस्टोरेंट और होटलों को गैस की आपूर्ति रोक दी है, जिससे उद्योग में अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

फरवरी में बीमा सेक्टर में तेजी, प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी

रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट में करीब 21 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में बीमा सेक्टर में मजबूत तेजी देखने को मिली है। प्रीमियम कलेक्शन में बढ़ोतरी के साथ प्राइवेट बीमा कंपनियों ने बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में बीमा उद्योग का रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) सालाना आधार पर करीब 20.9 फीसदी बढ़ा। रिपोर्ट के मुताबिक इस वृद्धि में सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन आफ इं डिया का रिटेल एपीई 22.8 फीसदी बढ़ा, जबकि प्राइवेट बीमा कंपनियों की ग्रोथ लगभग 20.2 फीसदी रही। हालांकि रिटेल सेगमेंट में प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 72.5 फीसदी हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 165 बेसिस प्वाइंट ज्यादा है। कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो मैक्स फायनें शियल से विसेज ने फरवरी में करीब 28 फीसदी की सालाना बढ़त दर्ज करते हुए सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके बाद एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 16.2 फीसदी बढ़कर 13.7 अरब रुपये हो गया। कंपनी का कुल एपीई 18.3 फीसदी बढ़ा और बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 17.7 फीसदी तक पहुंच गई। वहीं एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 12.1 फीसदी बढ़कर 13.4 अरब रुपये हो गया और कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 10.9 फीसदी पर स्थिर रही। दूसरी ओर आईसीआईसीआई प्रूडें शियल लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई लगभग 9.8 फीसदी बढ़ा। छोटे आधार पर केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने करीब 61 फीसदी की मजबूत सालाना वृद्धि दर्ज की।

एनएसई ने मनाया भारत के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 50 के 30 वर्ष पूरे होने का जश्न

रांची : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) ने आज निफ्टी 50 इंडेक्स के 30 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मनाया। निफ्टी 50 भारत का प्रमुख इक्विटी बेंचमार्क है और इसे दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इंडाइसेस में से एक माना जाता है। इस खास अवसर पर मुंबई स्थित एनएसई के एक्सचेंज प्लाजा में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बाजार से जुड़े कई प्रमुख लीडर्स, निफ्टी 50 कंपनियों के प्रतिनिधि, रेगुलेटर्स और भारत के पूँजी बाजार से जुड़े प्रतिभागी शामिल हुए।

इस समारोह में श्री तुहिन कांत पांडे, चेयरमैन, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) श्री तुहिन कांत पांडे मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं, श्री एस. गुरुमूर्ति, पब्लिक इंटेलेक्चुअल, लेखक और भारतीय रिजर्व बैंक के स्वतंत्र निदेशक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर श्री श्रीनिवास इंजेती, चेयरमैन, एनएसई और श्री आशीषकुमार चौहान, एमडी एवं सीईओ, एनएसई भी उपस्थित रहे।

श्री तुहिन कांत पांडे, चेयरमैन, सेबी, ने कहा, रनिफ्टी 50 के तीन दशक पूर्ण होने का जश्न मनाना सिर्फ एक इंडेक्स की कहानी नहीं है। यह भारत के पूँजी बाजार और उन्हें मजबूत बनाने वाली संस्थाओं की सम्पूर्ण यात्रा को भी उजागर करता है। इन तीस वर्षों में निफ्टी न सिर्फ कॉपोरेट इंडिया की तस्वीर बनकर सामने आया है, बल्कि निवेशकों के भरोसे का पैमाना और बाजार की दिशा बताने वाला अहम् सूचक भी बन गया है। यह यात्रा एक्सचेंज, रेगुलेटर्स, बाजार से जुड़ी संस्थाओं और देशभर के लाखों निवेशकों के मिलकर किए गए प्रयासों से संभव हुई है।

श्री एस. गुरुमूर्ति, पब्लिक इंटेलेक्चुअल, लेखक और भारतीय रिजर्व बैंक के स्वतंत्र निदेशक ने कहा, रपिछले कुछ दशकों में भारत की वित्तीय व्यवस्था एक अलग और खास तरीके से विकसित हुई है। कई देशों में बाजार सिर्फ वित्तीय नए प्रयोगों के सहारे बढ़े, लेकिन भारत में बाजार मजबूत संस्थाओं, रेगुलेटर्स की निगरानी और सावधानी के साथ आगे बढ़े हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए बनाई समिति

नई दिल्ली ।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत होने की वजह से होटल और रेस्तरां उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है। मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रेस्तरां, होटलों और अन्य उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति से संबंधित मांगों की समीक्षा के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला पर बड़ा असर पड़ा है। ऐसे हालात में सरकार ने घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है, जिससे बाजार मूल्य वाले वाणिज्यिक एलपीजी का उपयोग करने वाले होटल एवं रेस्तरां को आपूर्ति संकट का सामना करना पड़ रहा है। भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के संयुक्त हमले और फिर ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। सरकार इस समय वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत की तलाश कर रही है, लेकिन सीमित उपलब्धता के कारण घरेलू क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे वाणिज्यिक प्रतिष्ठान प्रभावित हो रहे हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार इस आपूर्ति बाधा का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है, जहां होटल और रेस्तरां को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है।

आरबीआई की गोल्डीलॉक्स स्थिति पर तेल संकट का खतरा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फरवरी की मौद्रिक नीति बैठक में अर्थव्यवस्था को संतुलित या 'गोल्डीलॉक्स' स्थिति बताया था। कम महंगाई और मजबूत आर्थिक वृद्धि के संकेतों के कारण रीपो दर 5.25 फीसदी पर यथावत रखी गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति को अनुकूल बताया और संकेत दिया कि ब्याज दरें लंबी अवधि तक इसी स्तर पर रह सकती हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में युद्ध और कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से यह संतुलन खतरे में है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह भू-राजनीतिक झटका आरबीआई की मौद्रिक नीति पर असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा ब्याज दरें तब तक स्थिर रहेंगी जब तक कोई बड़ा आर्थिक या वैश्विक झटका नहीं आता, यदि महंगाई तेजी से बढ़ती है तो ब्याज दरों में अपेक्षा से पहले वृद्धि संभव है। फरवरी की समीक्षा में आरबीआई0 ने अपनी तटस्थ नीति बरकरार रखी, जो मौजूदा स्थिति पर नजर रखने और प्रतीक्षा की रणनीति को दर्शाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में ब्याज दरों के निर्णय डेटा और वैश्विक घटनाओं पर आधारित सावधानीपूर्ण रणनीति के तहत लिए जाएंगे।

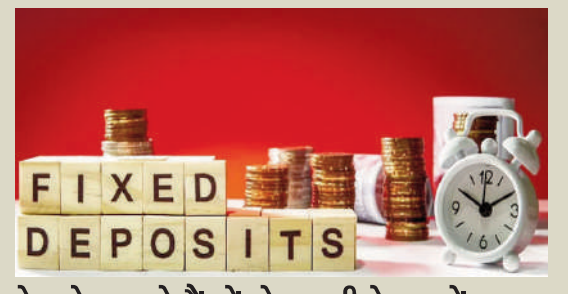

देश के 6 बड़े बैंकों ने एफडी रेट्स में बदलाव किया

मुंबई ।

देश के छह बड़े बैंकों ने 6 मार्च से फिक्स डिपाजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। एचडीएफसी बैंक ने 6 मार्च 2026 से नई एफडी दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए ब्याज दरें 2.75 से 6.50 फीसदी तक हैं, जबकि सीनियर सिटीजन 3.25 से 7 फीसदी तक ब्याज पा सकते हैं। खास बात यह है कि 3 साल 1 दिन से 4 साल 7 महीने की अवधि वाली एफडी पर बैंक ने 6.50 फीसदी ब्याज दर लागू की है। कुछ अन्य पीरियड में दरों में कटौती भी की गई है। यश बैंक ने 5 मार्च से 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर नई दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए यह 3.25 से 7 फीसदी और सीनियर सिटीजन के लिए 3.75 से 7.75 फीसदी तक है। सबसे अधिक रिटर्न 36 महीने से कम और 60 महीने से कम की अवधि वाली एफडी पर मिलता है। बंधन बैंक में सामान्य ग्राहकों को 2.95 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 3.70 से 7.75 फीसदी तक ब्याज मिलेगा। इंडियन बैंक की स्पेशल 300 दिन की एफडी योजना में सामान्य ग्राहक 7.05 और सीनियर सिटीजन 7.55 फीसदी तक रिटर्न पा सकते हैं। सर्वोदय स्माल फायनेंस बैंक में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को 7.90 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 8.10 फीसदी तक ब्याज मिलता है। इक्रिटीज स्माल फायनेंस बैंक में भी सीनियर सिटीजन 8 फीसदी तक कमा सकते हैं, जबकि सामान्य ग्राहकों के लिए दरें 3.50 से 7.40 फीसदी के बीच हैं।

वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं: सेबी चेयरमैन

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों से कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं है। पांडेय ने बताया कि युद्ध के कारण प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और तेल-गैस की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव आया है। उन्होंने जोर दिया कि भारत के घरेलू फंडामेंटल मजबूत हैं, जो निवेशकों को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। उनका संदेश था कि इस समय निवेशकों को शांत रहकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक ने लगभग 11 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि वृद्धि दर्ज की है और इसकी शुरुआत से अब तक लगभग 25 गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में 40 से अधिक एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) निफ्टी 50 को ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों के लिए शेयर बाजार में भागीदारी आसान और किफायती हो गई है। उन्होंने कहा कि निफ्टी 50 अब कॉरपोरेट इंडिया का दर्पण, निवेशक भावना का बैरोमीटर और बाजार की दिशा का मार्गदर्शक बन चुका है। पांडेय ने बताया कि भारत की अगली पीढ़ी की कंपनियां आज के शुरुआती उद्योगों से उभरेंगी। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी और वैश्विक वित्तीय प्रणालियों से जुड़ाव बढ़ेगा, बाजार बड़े, जटिल और नए अवसरों से भरपूर होंगे। इससे निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और उन्हें नई जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी। एनएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक्सचेंज इस महीने निवेश बैंकरों की नियुक्ति कर अपनी बहुप्रतीक्षित आईपीओ की तैयारी कर रहा है। सेबी ने कम फ्लोट के साथ आईपीओ की अनुमति दे दी है, जिससे संभावित देरी का समाधान हो गया।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 639, निफ्टी 233 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान से जुड़े संघर्ष के जल्द समाप्त होने की संभावना वाले बयान के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक बढ़कर 78,205.98 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 233.55 उछलकर 24,261.60 के स्तर पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी से अधिक गिरकर लगभग 93.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले यह तीन साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था जिससे बाजार नीचे आया था। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतों में एक ही दिन में आये अंतर से साफ है कि पश्चिम एशिया में तेजी से हालात बदल रहे हैं।

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.67 फीसदी तेजी। इसी तरह इंडिगो, एशियन पेंट्स और मारुति के शेयर भी दो फीसदी से अधिक चढ़ गए। दूसरी ओर इन्फोसिस, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही।

ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.62 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 2.12 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी रही। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल

सर्विसेज में भी तेजी आई पर लेकिन निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस भी गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज एशियाई बाजारों में भी बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 5 फीसदी जबकि जापान का निक्केई 2.5 फीसदी उछला। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंग सेंग में भी बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में भी पिछले सत्र में मजबूती रही

इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स मजबूती के साथ 78,375 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह 77,566 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 50 भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी 24,280 अंक पर खुला और खुलते ही 24,300 अंक के स्तर को पार कर गया।

मुंबई के रेस्टोरेंट संकट में कमर्शियल एलपीजी की कमी

मुंबई । मुंबई में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की अचानक कमी के कारण शहर के होटल और रेस्टोरेंट संकट में हैं। गैस आपूर्ति में रुकावट के चलते लगभग 20 फीसदी होटल और रेस्टोरेंट पहले ही बंद हो चुके हैं। जो रेस्टोरेंट अभी खुले हैं, वे केवल अपने पुराने बचे हुए एलपजी स्टॉक के भरोसे काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अगर अगले दो दिनों में गैस आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो शहर के लगभग 50 फीसदी होटल बंद हो सकते हैं। हालांकि एसोसिएशन ने कोई सामूहिक बंद करने का आधिकारिक फैसला नहीं लिया है। रेस्टोरेंट को खुला रखने या बंद करने का निर्णय व्यक्तिगत मालिकों और उनकी जगह पर गैस स्टॉक की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। हर होटल अपनी सुविधा और आपूर्ति के अनुसार ही निर्णय ले रहा है।

फ्लिपकार्ट की 15 साल बाद भारत वापसी, मेगा आईपीओ की तैयारी

सिंगापुर छोड़ अब पूरी तरह भारतीय हो जाएगी कंपनी

नई दिल्ली । वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपनी होल्डिंग कंपनी का स्थायी पता सिंगापुर से भारत में स्थानांतरित कर लिया है। यह कदम संभावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले कॉर्पोरेट ढांचे को सरल बनाने और पूरी तरह भारतीय कंपनी के रूप में अपने विकास को अगले चरण में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है। भारत सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद यह कानूनी प्रक्रिया पूरी हुई। चीन की प्रमुख टेक कंपनी टेनसेंट की फ्लिपकार्ट में 5-6 फीसदी हिस्सेदारी है। इस अल्पांश विदेशी निवेश के लिए प्रेस नोट 3 मंजूरी जरूरी थी, जिसे सरकार ने हाल ही में दे दिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल में चीन से जुड़े निवेश मामलों में नीति में ढील का संकेत भी इस मंजूरी में सहायक रहा। सूत्रों के अनुसार फ्लिपकार्ट अपने आईपीओ के लिए 2026 के अंत या 2027 में बाजार में उतर सकती है। अनुमानित मूल्यांकन 35-50 अरब डॉलर के बीच है। कंपनी अपने आईपीओ से पहले 1-2 अरब डॉलर जुटाने पर भी विचार कर सकती है। इसके लिए गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टैनली और जेपी मॉर्गन जैसी प्रमुख निवेश बैंकों के साथ शुरुआती चर्चा हुई है। फ्लिपकार्ट के भारत में मुख्य प्रतिस्पर्धी एमेजॉन, रिलायंस जियोमार्ट और टाटा ई-कॉमर्स

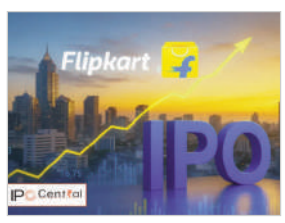

हैं। हाल ही में कंपनी ने अपने बोर्ड को मजबूत किया और परिचालन को दुरुस्त किया। फिक्की और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ई-कॉमर्स बाजार 2030 तक 325 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जिसकी सालाना वृद्धि दर 21 फीसदी अनुमानित है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि यह पुनर्गठन भारत सरकार से मिली मंजूरी के तहत हुआ है और अब फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड समूह की होल्डिंग कंपनी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है और फ्लिपकार्ट के लिए विकास का अगला चरण शुरू करता है।

डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर फोकस, नया इंडेक्स फंड लॉन्च

मुंबईः आज के समय में निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता है कि बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच उनका पैसा सुरक्षित भी रहे और बढ़ता भी रहे। कई लोग इक्विटी में निवेश तो करना चाहते हैं, लेकिन सही कंपनियों का चयन, लगातार निगरानी और अनुशासन बनाए रखना आसान नहीं होता। ऐसे में, निवेशकों को एक ऐसे विकल्प की जरूरत होती है, जो नियम आधारित हो, मजबूत कंपनियों पर केंद्रित हो और लंबी अवधि में स्थिरता दे सके। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस अपने यूलिप प्लान के तहत लेकर आया है 'डिविडेंड लीडर्स 50 इंडेक्स फंड'। यह फंड उन कंपनियों में निवेश करता है, जिन्होंने लगातार डिविडेंड दिया है और जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत रही है। कंपनी के मुख्य निवेश अधिकारी श्री मनीष कुमार ने कहा, रडिविडेंड लीडर्स 50 इंडेक्स फंड ग्राहकों को लगातार डिविडेंड देने वाली मजबूत कंपनियों में निवेश का अनुशासित और पारदर्शी तरीका प्रदान करता है। यह दीर्घकालिक धन सृजन में मददगार साबित हो सकता है। यह फंड बीएसई 500 डिविडेंड लीडर्स 50 इंडेक्स को ट्रैक करता है, जिसमें पिछले 10 वर्षों से लगातार लाभांश देने वाली 50 कम्पनियाँ शामिल हैं। इंडेक्स की सालाना समीक्षा की जाती है। हालाँकि, यह इंडेक्स आधारित निवेश है और बाजार जोखिम लागू होते हैं।

श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई कीमतों के अनुसार ऑटो डीजल अब 303 रुपए प्रति लीटर (22 रुपये की वृद्धि) और सुपर डीजल 353 रुपए प्रति लीटर (24 रुपए की बढ़ोतरी) हो गया है। पेट्रोल में भी इजाफा हुआ है, 92 ऑक्टेन पेट्रोल 24 रुपए बढकर 317 रुपये प्रति लीटर और 95 ऑक्टेन पेट्रोल 25 रुपए बढ़कर 365 रुपए प्रति लीटर हो गया। केरोसिन का दाम बढ़कर 195 रुपये प्रति लीटर (प्लस 13) हुआ है। सरकारी कंपनी के साथ-साथ लंका आईओसी ने भी समान अनुपात में दाम बढ़ाए हैं। पाकिस्तान में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने के कारण हाल ही में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 55 रुपये की बड़ी बढ़ोतरी हुई। अब पेट्रोल 321.17 रुपये और डीजल 335.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इससे पहले 1 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमत में क्रमशः 8 और 5 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

बुलेट ट्रेन से जुड़ेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, 20 मिनट में पहुंचेंगे दिल्ली

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बुलेट ट्रेन परियोजना से भी जोड़ने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मंगलवार को नेशनल हाई-स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारी यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट के पास स्टेशन बनाने के लिए जमीन की उपलब्धता, यात्री क्षमता और डिजाइन पर चर्चा हुई। अधिकारियों के मुताबिक, बुलेट ट्रेन के लिए एयरपोर्ट के पास भूमिगत स्टेशन बनाए जाने को उपयुक्त पाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली से वाराणसी तक प्रस्तावित हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन से लिंक किया जाना है। इसकी डीपीआर बनाने की प्रक्रिया चल रही है। इसके एलाइनमेंट को तय करने के लिए मंगलवार को एनएचएसआरसीएल की टीम यमुना प्राधिकरण पहुंची।

एनएचएसआरसीएल के प्रिंसिपल चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर सुधीर कुमार गुप्ता ने इस दौरान यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह और एसीईओ शैलेंद्र भाटिया से

मुलाकात की। प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ उनकी तकनीकी टीम ने भी बुलेट ट्रेन के इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए अपनी जरूरत को साझा किया।

एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में दो स्टेशन बनाए जाने की योजना है। इसमें एक नोएडा के सेक्टर-148 में होगा जोकि ग्रेटर नोएडा के भी नजदीक रहेगा। दूसरा स्टेशन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास जेवर में बनाया जाना प्रस्तावित है। इस स्टेशन को नोएडा एयरपोर्ट के ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर (जीटीसी) में भूमिगत बनाने की योजना पर सहमति बनी है। एयरपोर्ट के जीटीसी पर पहले से ही मेट्रो व नमो भारत का भूमिगत स्टेशन प्रस्तावित है। रेलवे की ओर से इसी जगह से चोला और रुंधी तक रेलवे ट्रैक से नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ा जाना है।

इस पूरी योजना की जानकारी भी साझा कर दी गई है जिससे डिजाइन में सुविधा मिल सके। इसका फायदा यह होगा कि जब बुलेट ट्रेन का भूमिगत स्टेशन बनाया जाए, तो पहले से प्रस्तावित या निमार्णाधीन परियोजनाएं प्रभावित नहीं होंगीं।

दिल्ली-वाराणसी रूट को पिछले महीने ही केंद्रीय बजट में मंजूरी मिली है। इसके बाद इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने में तेजी आई है। डीपीआर बनाने की प्रक्रिया भी शुरू हुई है जिससे रूट में शामिल स्टेशन तय कर जल्दी निर्माण शुरू हो सके।अधिकारियों का कहना है कि बुलेट ट्रेन परियोजना पूरी होने के बाद दिल्ली के सराय काले खां से नोएडा एयरपोर्ट का 70 किलोमीटर का सफर करीब 20 मिनट में पूरा हो जाएगा। अधिकांश भाग इसका एलिवेटेड रहेगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच इसे एक्सप्रेसवे के सेंट्रल वर्ज पर बनाया जाना प्रस्तावित है। इसके बाद यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए एयरपोर्ट तक एलाइनमेंट बनाया जाएगा। इससे नोएडा एयरपोर्ट हाईस्पीड ट्रेन से सीधे जुड़ने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बन जाएगा।

आसनसोल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

आसनसोलः पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में विवेकानंद इंस्टिट्यूट, आसनसोल में आयोजित एक सम्मान समारोह के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत महिला कर्मचारियों के समर्पण, उपलब्धियों तथा महत्वपूर्ण योगदान को पहचान देना और उनकी सराहना करना था। कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के महत्व तथा रेलवे सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर आसनसोल मंडल के विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारियों को उनके कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान रेल संचालन को सुचारु बनाए रखने तथा यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की गई।

मंडल की महिला कर्मचारी रेल संचालन, सुरक्षा, प्रशासन तथा यात्री सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रही हैं। वे लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन प्रबंधक, टिकट परीक्षक तथा बुकिंग क्लर्क जैसे प्रमुख पदों पर दक्षता, प्रतिबद्धता और पेशेवर क्षमता के साथ कार्य करते हुए मंडल के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण विषय पर आधारित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। महिला कर्मचारियों द्वारा गीत, नृत्य, नाटक एवं काव्य पाठ की प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें उपस्थित सभी लोगों द्वारा अत्यंत सराहा गया। इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और प्रेरणा का वातावरण उत्पन्न किया।

यह कार्यक्रम रेलवे में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने तथा महिला कर्मचारियों की भागीदारी और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के प्रति आसनसोल मंडल की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

संक्षिप्त खबरें

फिल्म 'जरी गांव' की टीम ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से की मुलाकात

रांची : आगामी फिल्म 'जरी गांव' की टीम ने आज नई दिल्ली स्थित केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ के आवास पर उनसे मुलाकात की। यह फिल्म परमवीर चक्र से सम्मानित 14वीं बटालियन, ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स के अल्बर्ट एक्का की प्रेरणादायक कहानी पर आधारित है और इसकी पृष्ठभूमि 1971 के ऐतिहासिक भारत-पाकिस्तान युद्ध पर टिकी है। यह फिल्म गंगासागर की लड़ाई में एक साहसी आक्रमण का नेतृत्व करने वाले लांस नायक अल्बर्ट एक्का की वीरता को दशार्ती है। फिल्म जरी गांव के सुरम्य इलाके में उनके सरल जीवन को भी उजागर करती है और भारतीय सेना के सैनिकों के बीच मजबूत भाईचारे को चित्रित करती है। फिल्म को सुमंत रतूड़ी ने अपने पिता बीरेंद्र मोहन रतूड़ी के लेखन से प्रेरित होकर लिखा और निर्देशित किया है। इसका निर्माण मायराधा प्रोडक्शंस के सागर गौड़ा ने किया है। इस पहल को गुलमोहर मैत्री की संस्थापक मंजू सिन्हा, सतीश शेनाई (सेवानिवृत्त रियर एडमिरल), उदय ढांडा और बाला सेंथिल कुमार का समर्थन प्राप्त है। बैठक के दौरान, टीम ने माननीय मंत्री जी को फिल्म के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे फिल्म के माध्यम से लांस नायक अल्बर्ट एक्का के असाधारण साहस और बलिदान को पर्दे पर उतारा जा रहा है, साथ ही क्षेत्र की सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुंदरता को भी प्रदर्शित किया जा रहा है। मंत्री ने भारत के वीर सैनिकों की वीरता को उजागर करने की इस पहल की सराहना की और टीम को उनके प्रयास में सफलता की शुभकामनाएं दीं।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने नाबालिग बालिका को सुरक्षित बचाया

रांची : रांची रेल मंडल में कमांडेंट पवन कुमार के निदेर्शानुसार रेलवे सुरक्षा बल द्वारा सतर्कता के साथ ड्यूटी का निर्वहन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 08.03.2026 को आरपीएफ पोस्ट रांची के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत रांची रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर एक नाबालिग बालिका को अकेले बैठा हुआ देखा गया, जो डरी हुई एवं घबराई हुई प्रतीत हो रही थी। प्रारंभिक पूछताछ में बालिका द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया, परंतु बाद में उसने अपना नाम सोलाली (13 वर्ष), पिता झ गौतम, निवासी -भद्रक (ओडिशा) बताया। इसके बाद आरपीएफ द्वारा बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लेकर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी , रांची के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सीडब्ल्यूसी द्वारा बालिका को प्रेमाश्रय, रांची भेजने का निर्देश दिया गया, किंतु वहां के अधिकारियों द्वारा उसे रखने से इंकार कर दिया गया। इसके पश्चात आरपीएफ टीम ने पुनः सीडब्ल्यूसी, रांची को उक्त स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद सीडब्ल्यूसी द्वारा लिखित आदेश जारी कर बालिका को वन स्टॉप सेंटर, रांची में रखने का निर्देश दिया गया। आदेशानुसार बालिका को सुरक्षित रूप से वहां भर्ती कराया गया। इस सराहनीय कार्य में महिला उपनिरीक्षक प्रियंका कुमारी, आरपीएफ पोस्ट रांची तथा आरपीएफ स्टाफ रामजी नाइक, एस.पी. टोप्पो एवं एस.पी. खाल्को (पोस्ट हटिया) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पोत्तनूर-धनबाद के मध्य नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन 11 से

धनबाद : यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पोत्तनूर-धनबाद के मध्य पोत्तनूर स्टेशन से गाड़ी संख्या 16619 पोत्तनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस एवं धनबाद स्टेशन से गाड़ी संख्या 16620 धनबाद-पोत्तनूर अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जायेगा । इस गाड़ी का विशेष उद्घाटन दिनांक 11.03.26 को पोत्तनूर स्टेशन से गाड़ी संख्या 06619 पोत्तनूर-धनबाद अमृत भारत उद्घाटन स्पेशल के रूप में किया जाएगा । इसी प्रकार दिनांक 14.03.26 (शनिवार) को गाड़ी संख्या 03375 धनबाद-पोत्तनूर अमृत भारत स्पेशल धनबाद स्टेशन से 14:00 बजे रवाना होगी तथा दिनांक 16.03.26 (सोमवार) को पोत्तनूर स्टेशन पहुंचेगी।

आनन्द विहार-पुरुलिया के मध्य नई ट्रेन का परिचालन 14 से

धनबाद : यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गढ़वा रोड-डाल्टनगंज-बरवाडीह-लातेहार-टोरी के रास्ते आनन्द विहार टर्मिनल-पुरुलिया के मध्य आनन्द विहार टर्मिनल स्टेशन से गाड़ी संख्या 14022 आनन्द विहार टर्मिनल-पुरुलिया एक्सप्रेस एवं पुरुलिया स्टेशन से गाड़ी संख्या 14021 पुरुलिया-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का परिचालन किया जायेगा। इस गाड़ी का विशेष उद्घाटन दिनांक 14.03.26 को पुरुलिया स्टेशन से गाड़ी संख्या 04020 पुरुलिया-आनन्द विहार टर्मिनल उद्घघाटन स्पेशल के रूप में किया जाएगा ।

दिलों और केंद्रों को जोड़ते हुएः पूर्व रेलवे ने क्षेत्रीय यात्रा और व्यापार को रूपांतरित करने के लिए नए ठहरावों की एक बड़ी श्रृंखला शुरू की

कोलकाताः जनसुविधा को बढ़ाने और अपने यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्व रेलवे ने पिछले छह महीनों में अपनी सेवा नेटवर्क के व्यापक विस्तार को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस अवधि के दौरान इसके विभिन्न मंडलों के कई स्टेशनों पर अभूतपूर्व संख्या में नए ट्रेन ठहराव शुरू किए गए हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों और प्रमुख शहरी केंद्रों के बीच की दूरी प्रभावी रूप से कम हुई है। लगभग 104 एक्सप्रेस/मेल ट्रेनों और 11 यात्री ट्रेनों को नए ठहराव प्रदान किए गए हैं, जिससे कुल 115 अतिरिक्त सेवाएं शुरू हुई हैं, जो बढ़ती हुई यात्री आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई हैं। यह पहल स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों के प्रति सीधी प्रतिक्रिया है, जिन्होंने इन कनेक्शनों के लिए लंबे समय तक प्रतीक्षा की थी, और यह पूर्व रेलवे की उस छवि को और मजबूत करती है कि वह हमेशा अपने यात्रियों के लिए तत्पर रहने वाला नेटवर्क है।

इस विस्तार का भौगोलिक दायरा अत्यंत व्यापक है, जिसमें सैलार, पांडबेश्वर, अंडाल जंक्शन, अंबिका कालना, महिपाल रोड, त्रिबेणी, कुल्टी, बराकर, सुल्तानगंज, कहलगांव, सिमुलतला, धरहरा, कटोरिया, शिवनारायणपुर, घोघा, अभईपुर, धौनी, पीरपैंती, संकोपारा हॉल्ट, अहमदपुर, चात्रा, चिनपाई, कासिमबाजार, धूलियांगंगा, गुस्कारा, ईशानचंडी हॉल्ट, जंगीपुर, झामतपुर-बहारन, लालबाग कोर्ट रोड, मनिग्राम, मुरारई, नलहाटी, निमतिता, रामपुरहाट, सीतारामपुर, सूरी, उखरा, नबाग्राम कंकुरहाटी, देबाग्राम, बांदेल, मलिहाटी तालीबपुर और काजीपाड़ा हॉल्ट जैसे विविध स्टेशन शामिल हैं। इन सभी स्थानों को अब बेहतर पहुंच सुविधा प्राप्त हुई है, जिससे स्थानीय नागरिकों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, क्षेत्रीय पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी आएगी।

इस विस्तार की कई तकनीकी विशेषताओं में, कई प्रमुख ट्रेन मार्गों के समय-सारणी में महत्वपूर्ण नए ठहराव जोड़े गए हैं। उदाहरण के लिए, 13033/13034 ट्रेन अब महिपाल रोड, त्रिबेणी, संकोपारा हॉल्ट और लालबाग कोर्ट रोड पर महत्वपूर्ण ठहराव प्रदान करती है, जबकि 13019/13020 सेवा को सिमुलतला में ठहराव दिया गया है। धरहरा के निवासियों के लिए कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार हुआ है, क्योंकि अब 14003/14004, 15097/15098 और 12253/12254 ट्रेनें भी इस स्टेशन पर रुकती हैं। इसी तरह, कहलगांव स्टेशन पर अब 13429/13430 ट्रेन का ठहराव है, जबकि धौनी स्टेशन पर 12349/12350, 18604/18603 और 18186/18185 ट्रेनों के नए ठहराव शुरू किए गए हैं, जिससे यह स्टेशन एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। नेटवर्क को और सुदृढ़ करते हुए, 13011/13012 अब चात्रा स्टेशन पर रुकती है, और 13179/13180 ट्रेन चिनपाई और उखरा के लिए नई कनेक्टिविटी प्रदान करती है।

इस विस्तार के अंतर्गत 13113/13114 ट्रेन को कोसिमबाजार और देबाग्राम में ठहराव दिया गया है, जबकि 13145/13146 तथा 13063/13064 दोनों ट्रेनों का ठहराव अब धूलियांगंगा, निमतिता और जंगीपुर रोड स्टेशनों पर है। अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तनों में 13465/13466 ट्रेन का मनिग्राम में ठहराव, तथा 13053/13054 का मुरारई, नलहाटी और बांदेल स्टेशनों पर ठहराव शामिल है। 13417/13418 ट्रेन के मार्ग में पांडबेश्वर और उखरा को शामिल किया गया है, और तेज गति वाली कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 12041/12042 ट्रेन का ठहराव अब रामपुरहाट में भी प्रदान किया गया है। इन सभी पहलुओं पर सूक्ष्मता से ध्यान देते हुए और यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी समुदाय पीछे न रह जाए, पूर्व रेलवे निर्बाध, विश्वसनीय और यात्री-केंद्रित रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो क्षेत्र की प्रगति की रीढ़ के रूप में कार्य करती है।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

हाजीपुरः हाजीपुर में 05 रेलकर्मियों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

आरपीएफ की सतर्कता से मानव तस्करी का प्रयास विफल, तीन नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बचाया गया

बिभा संवाददाता

रांची : राँची मण्डल मे मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निदेर्शानुसार आरपीएफ बहुत बेहतरीन कार्य कर रही उसी क्रम मे मंगलवार को ऑपरेशन आहट के तहत आरपीएफ पोस्ट हटिया, सीआईबी आरपीएफ रांची तथा महिला सुरक्षा सेल रांची की संयुक्त टीम द्वारा हटिया रेलवे स्टेशन पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान मानव तस्करी के एक प्रयास को विफल करते हुए तीन नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बचाया गया तथा एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गोपनीय सूचना के आधार पर आरपीएफ टीम द्वारा 09 मार्च को लगभग 15:30 बजे हटिया रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी एवं बाल तस्करी के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान लगभग 16:15 बजे ट्रेन संख्या 13351 के प्लेटफार्म संख्या 03 पर पहुंचने पर उसके सामान्य कोच में जांच के दौरान तीन नाबालिग लड़कों के साथ एक संदिग्ध व्यक्ति पाया गया। पूछताछ करने पर उनके उत्तर संतोषजनक नहीं पाए गए, जिस पर संदेह होने पर सभी को ट्रेन से उतारकर आगे पूछताछ की गई। जांच में पता चला कि अरुण राम (38 वर्ष), निवासी झ जिला लखीसराय (बिहार) उक्त नाबालिग बच्चों को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में काम दिलाने के नाम पर प्रति माह 10,000 रुपये मजदूरी का लालच देकर अपने साथ ले जा रहा था। आगे की पूछताछ में यह भी पता चला कि वह बिहार से मजदूरों को लाकर कपड़ा दुकान में काम पर लगवाने का काम करता है। तलाशी के दौरान उसके पास से मोबाइल फोन, रेलवे के सामान्य टिकट तथा अन्य दस्तावेज बरामद किए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया। इसके बाद मानव तस्करी में संलिप्त आरोपी अरुण राम को गिरफ्तार कर लिया गया तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई के उपरांत गिरफ्तार आरोपी को कोतवाली, रांची को आगे की कार्रवाई हेतु सौंप दिया गया तथा बचाए गए तीनों नाबालिग बच्चों को बालाश्रय, रांची को सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाई मे आरपीएफ पोस्ट हटिया के निरीक्षक रूपेश कुमार, अपराध शाखा राँची के इन्स्पेक्टर तथा महिला सेल राँची कि इन्स्पेक्टर एस आर कूजूर, सब इन्स्पेक्टर सूरज राजबंशी तथा स्टाफ कि भूमिका रही।

डीपीएस रांची ने छात्रों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक एम्बुलेंस सुविधा का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची : दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेल टाउनशिप, रांची ने अपने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और समग्र कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक और सराहनीय कदम उठाते हुए विद्यालय परिसर में समर्पित एम्बुलेंस सुविधा एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवा का शुभारंभ किया है। यह पहल विद्यालय की माननीय प्राचार्या डॉ. जया चौहान के दूरदर्शी और संवेदनशील नेतृत्व में प्रारंभ की गई है, जो सदैव केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि प्रत्येक छात्र के शारीरिक और भावनात्मक कल्याण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। विद्यालय के 36 वर्षों के इतिहास में पहली बार परिसर में एम्बुलेंस सुविधा की शुरूआत की गई है, जो संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक और प्रगतिशील कदम है।

इस महत्वपूर्ण पहल के माध्यम से डीपीएस रांची ने अपने छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण को और अधिक सुदृढ़ किया है, जिससे विद्यालय परिसर में ही चिकित्सीय सहायता सुनिश्चित हो सके। यह सुविधा विद्यार्थियों के लिए आपात स्थितियों में चिकित्सा सेवा और आवश्यकतानुसार सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराएगी। एम्बुलेंस सेवा की शुरूआत विद्यालय समुदाय के कल्याण के प्रति संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता और सुरक्षा व देखभाल के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के उसके निरंतर प्रयासों को दशार्ती है। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने विद्यार्थियों के कल्याण और आपातकालीन तैयारियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ह्लदिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची में हमारी जिम्मेदारी केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक ऐसा सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और सहयोगपूर्ण वातावरण तैयार करना भी है जहाँ प्रत्येक बच्चा स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे। हमारे सभी प्रयासों के केंद्र में विद्यार्थियों का कल्याण है। एम्बुलेंस सुविधा की शुरूआत चिकित्सा आपात स्थितियों से तत्परता और दक्षता के साथ निपटने की हमारी तैयारी को और सुदृढ़ करती है। एक गतिशील विद्यालयी वातावरण में, जहाँ प्रतिदिन सैकड़ों विद्यार्थी सीखते हैं, बढ़ते हैं और नई संभावनाओं की खोज करते हैं, वहाँ यह सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है कि तत्काल चिकित्सा सहायता हमेशा उपलब्ध हो। यह सुविधा हमारे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और शारीरिक सुरक्षा की रक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

एक जानलेवा जल्दबाजीः पटरियों पर दो मिनट का दांव, अनंत नींद का जोखिम

कोलकाताः आप अपनी घड़ी पर नजर डालते हैं; प्लेटफार्म पटरियों के ठीक सामने है, और फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पार करना बहुत मुश्किल लगता है। ₹बस दो मिनट,₹ आप खुद से कहते हैं, प्लेटफार्म के किनारे से नीचे उतरते हुए। लेकिन उन दो मिनटों में, आपके पैरों के नीचे का कंपन एक कान फाड़ देने वाली गर्जना में बदल जाता है। शॉर्टकट और तेज रफ़्तार लोकल ट्रेन या एक्सप्रेस ट्रेन के बीच की इस दौड़ में, शायद ही कोई दूसरे स्थान पर आता है।

पूर्व रेलवे इस लगातार हो रही सुरक्षा उल्लंघन से जूझ रहा है। व्यापक बुनियादी ढांचे के सुधार और निरंतर सतर्कता के बावजूद ह्लजल्दी पार करनेह्व का लालच रेलवे पटरियों को दुखद घटनाओं के गलियारे में बदलता जा रहा है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष के आंकड़े इस टाले जा सकने वाले संकट की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक, पूर्व रेलवे में पटरियों पर अवैध प्रवेश (ट्रेसपासिंग) के कारण कुल 1,886 मौतें और 319 घायल दर्ज किए गए। ये मात्र आंकड़े नहीं हैं; ये क्षणिक लापरवाही के कारण तबाह हुए परिवारों की कहानी हैं।

सुरक्षित यात्रा के लिए निर्माण

शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूर्व रेलवे ने अपने नेटवर्क में कई सुरक्षा उपायों को मजबूत किया हैः

अवसंरचनाः भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मजबूत फुट ओवर ब्रिज, सुविधाजनक सबवे और रणनीतिक अंडरपास बनाए गए हैं।

जागरूकताः स्टेशनों पर प्रतिदिन जागरूकता अभियान, प्रभावशाली पोस्टर और नियमित सार्वजनिक घोषणाएं लोगों को पटरियों से दूर रहने की याद दिलाती हैं।

भौतिक अवरोधः यात्रियों को निर्धारित क्रॉसिंग पॉइंट की ओर निर्देशित करने के लिए फेंसिंग और बाउंड्री वॉल को मजबूत किया जा रहा है।

कानूनी कार्रवाई

अवैध प्रवेश न केवल खतरनाक है, बल्कि एक आपराधिक अपराध भी है। रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 147 के तहत, बिना अनुमति के रेलवे परिसर में प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति को छह महीने तक की कैद या 1,000 रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। वर्ष 2025-26 (फरवरी तक) के दौरान, रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत कुल 5,557 व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया गया। पूर्व रेलवे के अधिकारियों ने अपराधियों को रोकने के लिए अचानक जांच और मुकदमों में वृद्धि के संकेत दिए हैं।

समझदारी की अपील

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने जनता से भावुक अपील करते हुए कहा हम पुल इसलिए बनाते हैं ताकि आप सुरक्षित घर पहुँच सकें, न कि आपके सफर में अतिरिक्त मिनट जोड़ने के लिए। कोई भी शॉर्टकट जीवन से अधिक कीमती नहीं है। हम सभी यात्रियों से अनुरोध करते हैं कि सबवे और फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करें। याद रखें, आपका परिवार आपको घर के दरवाजे पर देखना चाहता है, प्लेटफॉर्म पर नहीं। पूर्व रेलवे इस बात को दोहराता है कि हालांकि रेल की पटरियां देश के परिवहन की जीवनरेखा हैं, लेकिन ये पैदल चलने वालों के लिए टहलने की जगह नहीं हैं। दो मिनट बचाने से कहीं अधिक जीवन अनमोल है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com